www.bharatsamvad.in

R.N.I.No- UPHIN/2009/30939

सत्य का स्वर

भारत संवाद

प्रयागराज, लखनऊ तथा मुम्बई से एक साथ प्रकाशित

ऐप में पढ़े
E-PAPER
भारत संवाद
Scan for E-Paper or Search on Play store Bharat Samvad E-Paper

मौसम

अधिकतम तापमान 39.c

30.c न्यूनतम तापमान

बाजार

सोना 101.700g

चांदी 106.000 kg

2 मतदाता सूचियों में घुसपैठ, चुनाव प्रक्रिया में विदेशी हस्तक्षेप पर लगाम जरूरी

बांग्लादेश सरकार शेख हसीना के घर को म्यूजियम बनाएगी 06

वर्ष :17 | अंक :125 | प्रयागराज , मंगलवार 05 अगस्त 2025 | पृष्ठ : 06 | मूल्य : 1: 00 रुपए

संक्षिप्त समाचार

कोलकाता के पास एक अपार्टमेंट से भारी मात्रा में हथियार और गोला-बारूद बरामद, एक गिरफ्तार

पश्चिम बंगाल के उत्तर 24 परगना जिले में सोमवार को एक आवासीय फ्लैट से भारी मात्रा में हथियार और गोला-बारूद जब्त किया गया। पुलिस के एक अधिकारी ने यह जानकारी दी। अधिकारी ने बताया कि इस जब्ती के सिलसिले में फ्लैट के मालिक को गिरफ्तार कर लिया गया है। उन्होंने बताया कि कोलकाता के उत्तरी बाहरी इलाके में राहारा स्थित फ्लैट से 15 आग्नेयास्त्र और बड़ी संख्या में कारतूस जब्त किए गए हैं। अधिकारी ने बताया कि गिरफ्तार व्यक्ति से पूछताछ की जा रही है, ताकि पता लगाया जा सके कि हथियार कहां से लाए गए थे और इसके पीछे क्या साजिश थी।

दक्षिणी दिल्ली में गेट बंद करने को लेकर किशोर ने माली की गोली मारकर हत्या की

दक्षिणी दिल्ली के फतेहपुर बेरी में एक जायदाद का गेट बंद करने को लेकर सोमवार तड़के 37-वर्षीय एक माली की गोली मारकर हत्या कर दी गई। पुलिस ने यह जानकारी दी। जायदाद की देखभाल का काम करने वाले संतलाल को सीने में गोली लगी। पुलिस ने स्थानीय रियल एस्टेट एजेंट 19-वर्षीय पीयूष यादव को बुजुर्ग माली की कथित तौर पर गोली मारकर हत्या करने के आरोप में गिरफ्तार किया है। उन्होंने बताया कि यह घटना डेरा गांव में श्मशान घाट के पास देर रात करीब दो बजे हुई। एक अधिकारी ने बताया, पड़ोस में महिलाओं के जोर-जोर से रोने की सूचना मिलने पर पुलिस की एक टीम मौके पर पहुंची। वहां पहुंचने पर पता चला कि एक व्यक्ति को गोली लगी थी और वह श्मशान घाट के पास बेसुध पड़ा था। उन्होंने बताया कि घटनास्थल से एक कारतूस बरामद किया गया है। अधिकारी ने कहा, जांच के दौरान पता चला कि जायदाद का गेट बंद करने को लेकर आरोपी का पीड़ित के साथ झगड़ा हुआ था। झगड़ा इतना बढ़ गया कि गुस्से में आकर पीयूष ने कथित तौर पर संतलाल को गोली मार दी और मौके से फरार हो गया। पूछताछ करने पर पीयूष ने अपना अपराध कबूल कर लिया। संतलाल के शव को पोस्टमार्टम के लिए सफदरजंग अस्पताल ले जाया गया।

शिबू सोरेन का निधन:पीएम मोदी ने अस्पताल में किए शिबू सोरेन के अंतिम दर्शन, हेमंत को गले लगाकर बंधाया ढांढस

झारखंड के पूर्व मुख्यमंत्री और झारखंड मुक्ति मोर्चा के संस्थापक शिबू सोरेन का अंतिम संस्कार, रांची ले जाया जा रहा सोरेन का पार्थिव शरीर

निधन

मोदी ने एक्स पर लिखा कि श्री शिबू सोरेन जी को श्रद्धांजलि देने के लिए सर गंगा राम अस्पताल गया। उनके परिवार से भी मिला। मेरी संवेदनाएं हेमंत जी, कल्पना जी और श्री शिबू सोरेन जी के प्रशंसकों के साथ हैं।

एजेंसी

झारखंड। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने झारखंड के पूर्व मुख्यमंत्री शिबू सोरेन को आज नई दिल्ली स्थित सर गंगा राम अस्पताल में श्रद्धांजलि अर्पित की, जहाँ उनका निधन हो गया। झारखंड मुक्ति मोर्चा (झामुमो) के संस्थापक संरक्षक शिबू सोरेन का लंबी बीमारी के बाद 81 वर्ष की आयु में निधन हो गया। दिल्ली स्थित अस्पताल पहुँचे प्रधानमंत्री मोदी ने उनके परिवार के साथ तस्वीरें साझा कीं। एक्स पर साझा की गई एक तस्वीर में प्रधानमंत्री शिबू सोरेन के बेटे और झारखंड के मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन को सांत्वना देते हुए दिखाई दे रहे हैं, जो भावुक हो गए थे। मोदी ने एक्स पर लिखा कि श्री शिबू सोरेन जी को श्रद्धांजलि देने के लिए सर गंगा राम अस्पताल गया। उनके परिवार से भी मिला। मेरी संवेदनाएं हेमंत जी, कल्पना जी और श्री शिबू सोरेन जी के प्रशंसकों के साथ हैं। राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू ने शिबू सोरेन के निधन पर गहरी संवेदना व्यक्त की

'आज मैं शून्य हो गया हूं', शिबू सोरेन के निधन पर बेटे सीएम हेमंत सोरेन का पोस्ट

दिशोम गुरु शिबू सोरेन के निधन पर सीएम हेमंत सोरेन ने दुख जारी करते हुए कहा कि वे आज शून्य हो गए. रांची: झारखंड के पूर्व मुख्यमंत्री एवं राज्यसभा सांसद शिबू सोरेन का निधन हो गया है. उन्होंने 81 साल की उम्र में सर गंगाराम अस्पताल में अंतिम सांस ली. शिबू सोरेन के निधन से पूरे देश में शोक की लहर है. वे आदिवासी समाज के बड़े नेता थे. उनके बेटे और झारखंड के सीएम हेमंत सोरेन ने उनके निधन की जानकारी देते हुए अपना दुख जाहिर किया. उन्होंने कहा कि आज मैं शून्य हो गया हूं. गौरतलब हो कि दिशोम गुरु काफी लंबे समय से बीमार चल रहे थे. दिल्ली के सर गंगा राम अस्पताल में उनका इलाज चल रहा था. झारखंड के लोग उनके स्वस्थ होने को लेकर जगह-जगह पूजा और प्रार्थनाएं कर रहे थे. सीएम हेमंत सोरेन भी पूरे परिवार संग दिल्ली में शिबू सोरेन के साथ मौजूद थे. शिबू सोरेन के निधन पर प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने भी शोक व्यक्त किया है. पीएम मोदी ने शिबू सोरेन को एक जमीनी नेता बताते हुए लिखा कि उन्होंने जनता के प्रति अटूट समर्पण के साथ सार्वजनिक जीवन में ऊंचाइयों को छुआ.

शिबू सोरेन के सम्मान में राज्यसभा की कार्यवाही स्थगित, उपसभापति ने बताया विशिष्ट आदिवासी नेता

संसद के उच्च सदन ने सोमवार को झारखंड के पूर्व मुख्यमंत्री और झामुमो के संस्थापक शिबू सोरेन को श्रद्धांजलि अर्पित की, जिनका आज लंबी बीमारी के बाद राष्ट्रीय राजधानी में निधन हो गया। झारखंड के पूर्व मुख्यमंत्री के सम्मान में सदन की कार्यवाही दिन भर के लिए स्थगित कर दी गई। राज्यसभा के उपसभापति हरिवंश ने शिबू सोरेन के निधन पर शोक व्यक्त करते हुए कहा कि श्री सोरेन एक विशिष्ट आदिवासी नेता थे। दिशोम गुरु के रूप में प्रसिद्ध और जनता के बीच 'गुरुजी' के नाम से लोकप्रिय, वे आदिवासी लोगों के अधिकारों और विकास के संघर्ष में एक अग्रणी आवाज थे।

उत्तर प्रदेश के 17 जिलों में भारी बारिश और बाढ़ से बबार्दी, कई इलाके हुए जलमग्न

उत्तर प्रदेश के 13 जिलों में बाढ़ आयी, वाराणसी और प्रयागराज में गंगा खतरे के निशान से ऊपर

उत्तर प्रदेश में गंगा, यमुना और उनकी सहायक नदियों का जलस्तर लगातार बढ़ रहा है। यमुना में आई बाढ़ के कारण फतेहपुर जिले में कानपुर-बांदा मार्ग पर यातायात पूरी तरह ठप हो गया है। संगम नगरी प्रयागराज के कई प्रमुख इलाके जलमग्न हो चुके हैं, जबकि वाराणसी समेत अन्य शहरों में नदियां खतरे के निशान से ऊपर बह रही हैं।

एजेंसी

देशभर में मॉनसून की दस्तक ने मौसम का मिजाज पूरी तरह से बदल दिया है। उत्तर भारत, खासकर उत्तर प्रदेश में लगातार हो रही बारिश के चलते नदियों का जलस्तर तेजी से बढ़ रहा है, जिससे कई शहरों में बाढ़ जैसे हालात बन गए हैं। संगम नगरी प्रयागराज के कई प्रमुख इलाके जलमग्न हो चुके हैं, जबकि वाराणसी समेत अन्य शहरों में नदियां खतरे के निशान से ऊपर बह रही हैं। उत्तर प्रदेश में गंगा, यमुना और उनकी सहायक नदियों का जलस्तर लगातार बढ़ रहा है। यमुना में आई बाढ़ के कारण फतेहपुर जिले में कानपुर-बांदा मार्ग पर यातायात पूरी तरह ठप हो गया है। किशुनपुर-दांदो यमुना पुल का संपर्क मार्ग टूट जाने से इस रास्ते से आवागमन भी बंद हो गया है। अब तक 200 से अधिक गांव पानी में डूब चुके हैं और हजारों एकड़ खड़ी फसलें नष्ट हो चुकी हैं। नदियों के तेज बहाव की चपेट में आकर कई लोगों की जान भी जा चुकी है।

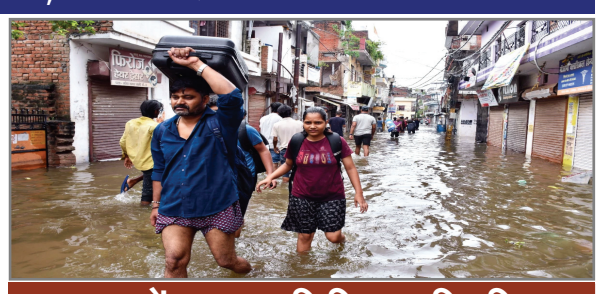

प्रयागराज में 34 राहत शिविर स्थापित किए गए

जिलाधिकारी प्रयागराज ने जानकारी दी है कि जिले में बाढ़ से प्रभावित लोगों की मदद के लिए कुल 34 राहत शिविर स्थापित किए गए हैं। ये शिविर विभिन्न स्थानों पर बने हैं, जिनकी पूरी सूची संलग्न की गई है।

सीतापुर में गिरी दीवार, घायलों को तुरंत अस्पताल पहुंचाया

सीएम योगी ने जनपद सीतापुर में दीवार गिरने से हुए हादसे में हुई जनहानि पर गहरा शोक व्यक्त किया है। उन्होंने मृतक बच्चियों के शोकाकुल परिवारों के प्रति संवेदनाएं प्रकट की हैं। मुख्यमंत्री ने जिला प्रशासन के अधिकारियों को तत्काल मौके पर पहुंचकर राहत कार्य को तीव्रता से संचालित करने और घायलों को तुरंत अस्पताल पहुंचाकर समुचित इलाज सुनिश्चित करने के निर्देश दिए हैं।

'अध्यादेश लाने की इतनी जल्दी क्यों थी, गुप्त तरीके से अनुमति क्यों हासिल की गई?'

बांके बिहारी मंदिर मामले में सुप्रीम कोर्ट ने यूपी सरकार से पूछा

एजेंसी

नई दिल्ली : सुप्रीम कोर्ट ने सोमवार को उत्तर प्रदेश सरकार से पूछा कि वृंदावन स्थित बांके बिहारी मंदिर के प्रबंधन के लिए एक ट्रस्ट बनाने संबंधी अध्यादेश को लेकर इतनी जल्दी क्यों है. साथ ही, कोर्ट ने इस धार्मिक स्थल का प्रशासन एक सेवानिवृत्त न्यायाधीश की अध्यक्षता वाली समिति को सौंपने का भी संकेत दिया. राज्य सरकार ने 26 मई को उत्तर प्रदेश श्री बांके बिहारी जी मंदिर न्यास अध्यादेश, 2025 जारी किया, जिसके तहत मंदिर के मामलों के प्रबंधन के लिए एक ट्रस्ट की स्थापना की गई. यह मामला न्यायमूर्ति सूर्यकांत और न्यायमूर्ति जॉयमाला बागची की पीठ के समक्ष सुनवाई के लिए आया. पीठ ने राज्य सरकार का प्रतिनिधित्व कर रहे अतिरिक्त सॉलिसिटर जनरल के.एम. नटराज से पूछा, अध्यादेश लाने की इतनी जल्दी क्यों थी? पीठ ने उस गुप्त तरीके की भी आलोचना की

मंदिर प्रबंधन में दो गुटों के बीच विवाद

याचिकाकर्ता की ओर से वरिष्ठ वकील श्याम दीवान ने तर्क दिया कि बांके बिहारी मंदिर एक निजी मंदिर है, जहां धार्मिक गतिविधियों और प्रबंधन को लेकर दो गुटों में मतभेद हैं। उन्होंने कहा कि राज्य सरकार ने बिना उचित अधिकार के हस्तक्षेप किया और सुप्रीम कोर्ट से कॉरिडोर निर्माण के लिए मंदिर के फंड का उपयोग करने का आदेश प्राप्त कर लिया। इसके बाद जल्दबाजी में एक अध्यादेश भी जारी कर दिया गया। इसका परिणाम यह हुआ कि मंदिर की स्थापना करने वाले और इसे पीढ़ियों से संभाल रहे गोस्वामी परिवार प्रबंधन से बाहर हो गया।

सुप्रीम कोर्ट ने की तीखी टिप्पणी

जस्टिस सूर्य कांत और जस्टिस जोयमाल्या बागची की पीठ ने मंदिर प्रबंधन समिति से कड़े सवाल किए। कोर्ट ने कहा, भले ही मंदिर निजी हो, लेकिन भगवान सबके हैं। लाखों श्रद्धालु वहां दर्शन के लिए आते हैं। मंदिर का फंड श्रद्धालुओं की सुविधा और सुरक्षा के लिए विकास कार्यों में क्यों नहीं लगाया जा सकता? आप क्यों चाहते हैं कि सारा पैसा सिर्फ आपके पास रहे? कोर्ट ने यह भी सुझाव दिया कि याचिकाकर्ता को राज्य सरकार के अध्यादेश को हाई कोर्ट में चुनौती देनी चाहिए।

सिराज ने खोला पंजा, प्रसिद्ध भी चमके, रोमांचक मुकाबले में भारत ने इंग्लैंड को 6 रनों से हराया

एजेंसी

लंदन। भारत ने उतार-चढ़ाव से भरे बेहद रोमांचक पांचवें और अंतिम क्रिकेट टेस्ट के पांचवें दिन सोमवार को यहां मोहम्मद सिराज के करिश्माई प्रदर्शन से इंग्लैंड को छह रन से हराकर श्रृंखला 2-2 से बराबर कर दी जिसे क्रिकेट की दो दिग्गज टीमों के बीच बेहद कड़े मुकाबले के रूप में हमेशा याद किया जाएगा। सिराज ने तूफानी गेंदबाजी का नजारा पेश करते हुए 104 रन देकर पांच विकेट चटकाए और टीम की जीत के नायक साबित हुए।

अगर आप सच्चे भारतीय होते, तो ये सब बातें नहीं कहते

चीनी कब्जे वाले बयान पर सुप्रीम कोर्ट ने राहुल गांधी से कहा

एजेंसी

नई दिल्ली: सुप्रीम कोर्ट ने सोमवार को कांग्रेस नेता राहुल गांधी की भारत जोड़ो यात्रा के दौरान भारतीय सेना के बारे में कथित अपमानजनक टिप्पणी को लेकर उनकी आलोचना करते हुए कहा कि यदि आप सच्चे भारतीय हैं तो आप ऐसा कुछ नहीं कहते. सुप्रीम कोर्ट ने राहुल गांधी की चीन द्वारा भारत की जमीन पर कब्जा करने संबंधी बयान पर कड़ी टिप्पणी की और उनसे पूछा कि उन्हें संसद में ये मुद्दे उठाने से किसने रोका है. कोर्ट ने पूछा, क्या आपके पास कोई विश्वसनीय सामग्री है? बिना किसी विश्वसनीय सामग्री के आप ये बयान क्यों दे रहे हैं. अगर आप सच्चे भारतीय होते, तो ये सब बातें नहीं कहते.मामले की सुनवाई न्यायमूर्ति दीपांकर दत्ता और न्यायमूर्ति ए जी मसीह की पीठ ने की. वरिष्ठ अधिवक्ता ए एम सिंघवी ने पीठ के समक्ष राहुल गांधी का प्रतिनिधित्व किया. सुनवाई की शुरूआत में सिंघवी ने गांधी के बयान का हवाला देते हुए कहा कि अगर वह ये सब नहीं कह सकते तो विपक्ष के नेता भी नहीं हो सकते. उन्होंने पीठ से अपने मुवक्किल के बयान की जाँच करने का आग्रह किया. न्यायमूर्ति दत्ता ने कहा, डॉ. सिंघवी, आपको जो भी कहना है, कहिए. आप संसद में क्यों नहीं कहते? आपको सोशल मीडिया पोस्ट में यह सब क्यों कहना है. सिंघवी ने तर्क दिया, एक तकनीक है, आप संसद सदस्य (एमपी) बन जाते हैं

बिहार में शिक्षक बहाली में लागू होगी डोमिसाइल पॉलिसी

सीएम नीतीश कुमार का ऐलान

नीतीश ने पर एक पोस्ट में कहा नवंबर 2005 में सरकार बनने के बाद से, हम शिक्षा व्यवस्था में सुधार के लिए लगातार काम कर रहे हैं। शिक्षा व्यवस्था को मजबूत करने के लिए बड़ी संख्या में शिक्षकों की नियुक्ति की गई है।

एजेंसी

बिहार के मुख्यमंत्री नीतीश कुमार ने सोमवार को एक बड़े नीतिगत बदलाव की घोषणा की जिसका उद्देश्य भविष्य में शिक्षक भर्ती में राज्य के निवासियों को प्राथमिकता देना है। बिहार के मुख्यमंत्री ने कहा कि यह कदम राज्य की शिक्षा व्यवस्था को मजबूत करने के व्यापक प्रयास का हिस्सा है। नीतीश ने पर एक पोस्ट में कहा नवंबर 2005 में सरकार बनने के बाद से, हम शिक्षा व्यवस्था में सुधार के लिए लगातार काम कर रहे हैं। शिक्षा

व्यवस्था को मजबूत करने के लिए बड़ी संख्या में शिक्षकों की नियुक्ति की गई है। उन्होंने आगे कहा कि शिक्षा विभाग को शिक्षक नियुक्तियों में बिहार के निवासियों को वरीयता देने के लिए संबंधित नियमों में संशोधन करने के निर्देश दिए गए हैं। उन्होंने लिखा, यह टीआरई-4 से लागू होगा। टीआरई-4 वर्ष 2025 में और टीआरई-5 वर्ष 2026 में आयोजित किया जाएगा। नीतीश ने यह भी पुष्टि की कि एसटीईटी परीक्षा टीआरई-5 से पहले आयोजित की जाएगी। यह घोषणा राज्य द्वारा मुख्यमंत्री विद्युत उपभोक्ता सहायता योजना के तहत लगभग 1.86 करोड़ उपभोक्ताओं को 125 यूनिट मुफ्त बिजली प्रदान करने की योजना को लागू करने के एक महीने से भी कम समय बाद आई है। इससे पहले नीतीश कुमार सरकार ने शुक्रवार को सरकारी स्कूलों में कार्यरत रसोइयों, रात्रि प्रहरियों और शारीरिक शिक्षा एवं स्वास्थ्य अनुदेशकों का मानदेय दोगुना कर दिया।

बिहार में हो रहे रकफ पर संसद में गतिरोध जारी, हंगामे के बाद लोकसभा की कार्यवाही स्थगित

एसआईआर पर तत्काल चर्चा की मांग को लेकर विपक्षी सदस्यों के लगातार हंगामे के बाद सोमवार को लोकसभा की कार्यवाही स्थगित कर दी गई.

एजेंसी

नई दिल्ली: संसद के मानसून सत्र में सरकार और विपक्ष के बीच तनाव बना हुआ है. खासकर बिहार में मतदाता सूची के विशेष गहन पुनरीक्षण (एसआईआर) के मुद्दे पर गतिरोध जारी है. विपक्ष, विशेष रूप से इंडिया ब्लॉक इस मुद्दे पर संसद में चर्चा की मांग कर रहा है. लेकिन, सरकार ने अब तक इस पर सहमति नहीं जताई है.लोकसभा स्पीकर ओम बिरला और संसदीय कार्यमंत्री किरेन रिजिजू ने विपक्ष से सदन की कार्यवाही सुचारू रूप से चलाने की अपील की है. बिरला ने कहा कि जनता ने सांसदों को महत्वपूर्ण मुद्दों पर चर्चा के लिए चुना है, न कि हंगामे के लिए. उन्होंने विपक्ष से नारेबाजी और तख्तियां दिखाने के बजाय सार्थक चर्चा में हिस्सा लेने को कहा. सोमवार को लोकसभा स्पीकर ओम बिरला ने विपक्षी सांसदों से मुलाकात भी की.

सवाल बोले- जम्मू-कश्मीर के लिए क्या किया

राज्य का दर्जा कब लौटाएंगे? केंद्र से फारूक अब्दुल्ला का सवाल

एजेंसी

नयी दिल्ली। 5 अगस्त को अनुच्छेद 370 को हटाए जाने के छह साल पूरे होने पर नेशनल कॉन्फ्रेंस (एनसी) के प्रमुख फारूक अब्दुल्ला ने सोमवार को केंद्र सरकार पर निशाना साधा और जम्मू-कश्मीर का राज्य का दर्जा बहाल करने की समय-सीमा के बारे में पूछा। केंद्र में सत्तारूढ़ भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) सरकार पर अपना वादा पूरा करने का आरोप लगाते हुए, जम्मू-कश्मीर के पूर्व मुख्यमंत्री ने सरकार से राज्यसभा सीटों के लिए चुनाव कराने और लोगों को अपनी समस्याओं के बारे में बोलने के अधिकार से वंचित न करने का आग्रह किया। फारूक अब्दुल्ला ने केंद्र पर निशाना साधते हुए पूछा कि वे राज्य का दर्जा कब लौटाएंगे? उन्होंने कहा था कि जैसे ही चुनाव होंगे और सरकार बनेगी, राज्य का दर्जा बहाल कर दिया जाएगा। उसका क्या हुआ? अब वे कह रहे हैं कि वे दो खाली विधानसभा सीटों पर चुनाव कराएंगे, लेकिन राज्यसभा की चार सीटों के चुनावों का क्या? वे लोगों को सदन में जाकर अपनी समस्याएं बताने के अधिकार से क्यों वंचित कर रहे हैं? अनुच्छेद 370 को हटाए जाने का जश्न मनाने के लिए भाजपा द्वारा कुछ कार्यक्रमों की योजना बनाने पर प्रतिक्रिया व्यक्त करते हुए, वरिष्ठ एनसी नेता ने कहा कि भाजपा के पास जश्न मनाने के लिए कुछ भी नहीं है। उन्होंने जम्मू-कश्मीर में बढ़ती बेरोजगारी और बढ़ती कीमतों को लेकर केंद्र पर सवाल उठाए। अब्दुल्ला ने कहा, उनके पास जश्न मनाने के लिए कुछ नहीं है। उन्होंने (भाजपा ने) इस राज्य को बेहतर बनाने के लिए छह सालों में क्या किया? हमारे उच्च शिक्षित लड़के-लड़कियाँ बेरोजगार हैं। महँगाई आसमान छू रही है। गरीब और गरीब होते जा रहे हैं, जबकि अमीर और अमीर होते जा रहे हैं। क्या यही उनकी उपलब्धि है? मुझे यकीन है कि उन्हें ऐसा करना ही होगा; कोई रास्ता नहीं है। उपराज्यपाल मनोज सिन्हा पर निशाना साधते हुए उन्होंने कहा, उनके वायसराय यहाँ राजभवन में बैठे हैं। जम्मू-कश्मीर में एक सरकार है, लेकिन वायसराय ही मुख्य व्यक्ति हैं। समय आ गया है जब इसे बदलना होगा। यह एक लोकतांत्रिक देश है। घाटी में शांति सुनिश्चित करने के केंद्र के प्रयासों के बारे में पूछे जाने पर, अब्दुल्ला ने कहा कि संघर्ष से बाहर निकलने का रास्ता ढूँढ़ने की जरूरत है।

फारूक अब्दुल्ला ने केंद्र पर निशाना साधते हुए पूछा कि वे राज्य का दर्जा कब लौटाएंगे? उन्होंने कहा था कि जैसे ही चुनाव होंगे और सरकार बनेगी, राज्य का दर्जा बहाल कर दिया जाएगा। उसका क्या हुआ?

उन्होंने कहा कि मुझे शांति आती नहीं दिख रही। मुझे लगता है कि हम यह सोचकर मूर्खता की दुनिया में जी रहे हैं कि शांति रातोंरात आ जाएगी। हमारा एक मजबूत पड़ोसी है, चाहे वह चीन हो या पाकिस्तान।

बेदखल किए गए लोगों को आश्रय नहीं दिया जाना चाहिए: हिमंत

मुख्यमंत्री ने पहले कहा था कि पिछले चार वर्षों में 1.29 लाख बीघा (42,500 एकड़ से अधिक) भूमि को अतिक्रमण से मुक्त कराया गया है, उन्होंने दावा किया कि ये बड़े भू-भाग अवैध बांग्लादेशियों और संदिग्ध नागरिकों के कब्जे में थे।

एजेंसी

नयी दिल्ली। असम के मुख्यमंत्री हिमंत विश्व शर्मा ने सोमवार को कहा कि किसी भी व्यक्ति को बेदखल किए गए लोगों को आश्रय नहीं देना चाहिए अन्यथा हमारे लोगों कि स्थिति, जो बेदखली और अन्य उपायों के कारण सुधरी है वो फिर से खराब हो जाएगी। उन्होंने जोर देकर कहा कि अगर लोग सहयोग करते रहेंगे तो सरकार जाति (समुदाय) की रक्षा के लिए अपने अतिक्रमण विरोधी अभियान जारी रखेगी।

बोडोलैंड प्रादेशिक क्षेत्र (बीटीआर) में आयोजित कार्यक्रमों से इतर संवाददाताओं से बातचीत में शर्मा ने कहा, हमारे लोग अब सचेत हैं। मुझे नहीं लगता वे ज्यादा सहयोग करेंगे। उनसे पूछा गया था कि क्या बेदखल किए गए लोग राज्य के अन्य हिस्सों में बस जाएंगे? उन्होंने कहा कि अतिक्रमणकारियों को वहीं लौट जाना चाहिए जहां से वे आए थे और सरकार को इस बात से कोई आपत्ति नहीं है। जनता से बेदखल किए गए लोगों की सहायता नहीं करने का आग्रह करते हुए उन्होंने कहा, हमारे किसी भी व्यक्ति को उन्हें शरण नहीं देनी चाहिए अन्यथा हमारी स्थिति जो बेदखली और अन्य उपायों के कारण थोड़ी बेहतर हुई है, वो फिर से खराब हो जाएगी।

सम्पादकीय

प्राथमिकता में आए मानसिक स्वास्थ्य, समकालीन परिवेश में अधिकांश लोग मानसिक रूप से परेशान

सांसारिक सुख-भोग करना सबको प्रिय है। बाजार और विज्ञापन ने सुख को उपभोग से जोड़कर आग में घी डालने का काम किया है। अब हम अपनी सफलता विकास और सुख अधिकाधिक उपभोग में देखने के आदी हो गए हैं परंतु उपभोग की वस्तुओं को एकत्र करते रहने के बावजूद हम तनाव चिंता दबाव अकेलापन व्यसन या लत असंतुष्टि कुंठा जैसी समस्याओं से मुक्त नहीं हो पा रहे हैं। स्वस्थ रहना हमारी स्वाभाविक स्थिति होनी चाहिए, पर समकालीन परिवेश में अधिकांश लोगों के लिए यह संभव नहीं हो पा रहा है। शारीरिक रोगों को तो आसानी से पहचान लिया जाता है, परंतु मानसिक रोगों की पहचान और इलाज के लिए विशेष प्रशिक्षण और अध्ययन की आवश्यकता होती है। मनोचिकित्सा को विषय के रूप में मेडिकल कालेजों में साइकियाट्री के अंतर्गत रखा जाता है। इसी से जुड़े विषय क्लिनिकल साइकोलाजी और काउंसिलिंग भी हैं, जो मनोविज्ञान विषय के अंग हैं। भारत में मानसिक स्वास्थ्य सुविधाएं जनसंख्या की दृष्टि से बहुत कम और अपर्याप्त हैं। क्लिनिकल साइकोलाजी के अध्ययन की कुछ चुनिंदा संस्थाएं हैं, जहां जरूरी और प्रामाणिक प्रशिक्षण दिया जाता है। इस दृष्टि से एमए करने के बाद क्लिनिकल साइकोलाजी में एमफिल की एक प्रोफेशनल डिग्री का प्रविधान किया गया है। इसके अंतर्गत मानसिक स्वास्थ्य और उपचार के लिए छात्रों को गहन सैद्धांतिक और व्यावहारिक प्रशिक्षण दिया जाता है। इसके द्वारा मानसिक रोगियों के उपचार के लिए प्रशिक्षुओं को थेरेपी देने के लिए योग्य बनाया जाता है। नई शिक्षा नीति में एमफिल की डिग्री को बंद करने का फैसला लिया गया है। इसके फलस्वरूप अन्य विषयों की तर्ज पर क्लिनिकल साइकोलोजी में भी एमफिल डिग्री को बंद करना होगा। इस एमफिल डिग्री की उपादेयता को अन्य विषयों में एमफिल के बराबर रख कर देखना घातक है। इसे बंद करने से मानसिक स्वास्थ्य की देख-रेख के लिए जो भी थोड़े बहुत मानव संसाधन तैयार हो रहे थे, वह क्रम रुक जाएगा। यह समाज के लिए बड़ा घातक होगा। सरकार इस पर पुनर्विचार करे। मानसिक परेशानी के चलते शारीरिक बीमारियां भी होती हैं। इसी तरह शारीरिक रोग से मानसिक रुग्णता पैदा होती है। शरीर और मन को अलग रखना गलत है, क्योंकि स्वास्थ्य और बीमारी, दोनों ही स्थितियों में ये एक संयुक्त इकाई के रूप में ही काम करते हैं। आज बेरोजगारी, सामाजिक अन्याय, पारिवारिक विघटन, जीवन-हानि और गरीबी जैसी स्थितियां आम आदमी के मानसिक स्वास्थ्य के लिए चुनौती बनती जा रही हैं। कंप्यूटर, इंटरनेट और कृत्रिम बुद्धि जैसे तकनीकी हस्तक्षेपों के चलते कामकाज अधिकाधिक स्वचालित होते जा रहे हैं।

आज का विचार

राशिफल

मेष राशिः दिन कैसा रहेगाः आज का दिन संतुलित रहेगा. बुजुर्गों की सलाह लाभकारी सिद्ध होगी. करियर/ धनः कामकाज सामान्य रहेगा, आर्थिक स्थिति स्थिर रहेगी. ससुराल पक्ष से कोई शुभ समाचार आर्थिक लाभ ला सकता है. उधार या लोन लेने से बचें. पारिवारिक जीवनः पारिवारिक समस्या का समाधान मिलेगा. बुजुर्गों की सलाह से निर्णय लें.

वृषभ राशिः दिन कैसा रहेगाः दिन खुशियों से भरा रहेगा, नई जिम्मेदारी मिलने के संकेत हैं. करियर/ धनः काम में सकारात्मकता रहेगी, आय में मजबूती आएगी. पुराने मित्र से मुलाकात लाभकारी रहेगी. पारिवारिक जीवनः बच्चों से जुड़ी योजनाएं पूरी होंगी, परिवार में थोड़ी चिंता बनी रह सकती है.

मिथुन राशिः दिन कैसा रहेगाः दिन काफी व्यस्त रहेगा, लेकिन संयम जरूरी है. करियर/धनः काम बेहतर होगा, लेकिन बहस से बचें. निवेश गुप्त रखें तो बेहतर होगा. पारिवारिक जीवनः धार्मिक आयोजन संभव है, घर में मेहमान का आगमन हो सकता है. स्वास्थ्यः मानसिक थकान रह सकती है, आराम जरूरी है.

कर्क राशिः दिन कैसा रहेगाः शानदार दिन रहेगा, मन में नई ऊर्जा महसूस होगी. करियर/धनः नए इनकम सोर्स बन सकते हैं, कार्य में सफलता के योग हैं. पारिवारिक जीवनः माता-पिता के लिए कोई योजना बन सकती है, संबंध मधुर रहेंगे. स्वास्थ्यः क्रिएटिव काम से मानसिक राहत मिलेगी. उपायः चांदी का छोटा सिक्का जेब में रखें.

सिंह राशि : दिन कैसा रहेगाः सुनहरा दिन, मनचाही वस्तु या अवसर मिल सकता है. करियर/धनः करियर में प्रगति होगी, काम योजना के अनुसार पूरे होंगे. पारिवारिक जीवनः परिवार में विवाह योग्य सदस्य के लिए प्रस्ताव आ सकता है.

कन्या राशिः दिन कैसा रहेगाः दिन उत्साह से भरा रहेगा, मेहनत रंग लाएगी.करियर/धनः आर्थिक लाभ होगा, कारोबार में सफलता मिलेगी. पारिवारिक जीवनः बच्चों के साथ अच्छा समय बीतेगा, धार्मिक कार्यक्रमों में भाग लेंगे. स्वास्थ्यः मौसम परिवर्तन से प्रभावित हो सकते हैं, खानपान पर ध्यान दें.

तुला राशिः दिन कैसा रहेगाः भाग्य का साथ मिलेगा, दिन अनुकूल रहेगा. करियर/धनः रुके हुए पैसे मिलने की संभावना है, प्रगति के योग हैं. पारिवारिक जीवनः दांपत्य जीवन में मधुरता बढ़ेगी, रिश्तेदारों से मुलाकात संभव है. स्वास्थ्यः योग और प्राणायाम से लाभ मिलेगा, माता के स्वास्थ्य पर ध्यान दें. उपायः मां सरस्वती का पूजन करें.

वृश्चिक राशिः दिन कैसा रहेगाः दिन काफी व्यस्त रहेगा, कार्यों की भरमार रहेगी. : काम की सराहना होगी, राजनीतिक लोगों के लिए भी चर्चा का दिन. पारिवारिक जीवनः पारिवारिक रिश्तों में मजबूती आएगी, सामाजिक मेलजोल बढ़ेगा.

धनु राशिः दिन कैसा रहेगाः उपलब्धियों और खुशियों से भरा दिन रहेगा. करियर/धनः प्रमोशन या रुका हुआ पैसा मिलने की संभावना है. पारिवारिक जीवनः बच्चों की सफलता से खुशी का माहौल बनेगा. स्वास्थ्यः टेंशन कम होगी, मन प्रसन्न रहेगा.

मकर राशि : दिन कैसा रहेगाः शुभ समाचार मिल सकते हैं, लाभ के संकेत हैं. करियर/धनः कारोबार में मुनाफा होगा, नौकरी में मनचाहा कार्य मिलेगा.पारिवारिक जीवनः किसी सदस्य के विवाह की चर्चा आगे बढ़ सकती है. स्वास्थ्यः स्वास्थ्य में सुधार रहेगा, आत्मविश्वास बढ़ेगा.

कुंभ राशिः दिन कैसा रहेगाः उलझनों को सुलझाने वाला दिन रहेगा, संयम रखें. करियर/धनः आर्थिक स्थिति बेहतर होगी, नए संपर्क बनेंगे. पारिवारिक जीवनः ससुराल पक्ष से सहयोग, विवाह योग्य जातकों को प्रस्ताव मिल सकते हैं.

मीन राशि : दिन कैसा रहेगाः सामान्य दिन रहेगा, फैसले सोच-समझकर लें. करियर/धनः योजनाएं सफल हो सकती हैं, करियर में प्रगति संभव है. पारिवारिक जीवनः भाइयों का सहयोग मिलेगा, बच्चों से खुशी मिलेगी.

ज्योतिष सेवा केन्द्र
ज्योतिषाचार्य पंडित अतुल शास्त्री

मतदाता सूचियों में घुसपैठ, चुनाव प्रक्रिया में विदेशी हस्तक्षेप पर लगाम जरूरी

भारत अब धीरे-धीरे जनकल्याण सेवाओं का दायरा भी फैला रहा है। नागरिकता रजिस्टर बन जाने से एक तो फजीर्वाड़ा करने वाले लोग और घुसपैठिए न तो योजनाओं का अनुचित लाभ उठा पाएंगे और न ही जनादेश को भी प्रभावित कर पाएंगे। हालांकि इसके लिए चुनाव आयोग को मतदाता सूचियों के निरंतर और वार्षिक अद्यतनीकरण की व्यवस्था भी शुरू करनी होगी।

पा जनतंत्र में जनता चुनावों के जरिये जनादेश देती है। इसलिए चुनाव जनतंत्र की आधारशिला है और चुनावों की विश्वसनीयता यह सुनिश्चित करने पर निर्भर करती है कि मतदान में वही लोग भाग लें जो उसकी अर्हता रखते हों। मतदाताओं की अर्हता लगभग हर लोकतांत्रिक देश में मतदाताओं की आयु, नागरिकता और जिस क्षेत्र का चुनाव हो रहा हो, वहां निवास के प्रमाण के आधार पर तय की जाती है और मतदाता सूचियां बनाई जाती हैं। पुनरीक्षण से इन्हें निरंतर अद्यतन रखने के मामले में आस्ट्रेलिया, कनाडा और जर्मनी को विश्व में आदर्श माना जाता है। आस्ट्रेलिया और कनाडा में मतदाता पंजीकरण और मतदाता सूचियों के पुनरीक्षण का काम भारत के चुनाव आयोग की तरह केंद्रीय एजेंसियां करती हैं। अमेरिका और ब्रिटेन में इसका दायित्व स्थानीय प्रशासन के पास है जो केंद्र सरकारों के निदेर्शों के आधार पर उसे निभाते हैं। आस्ट्रेलिया और इटली में मतदान के लिए पंजीकरण कराना और मतदान करना अनिवार्य भी है। विश्व के सबसे बड़े लोकतंत्र भारत की बात करें तो निर्वाचन आयोग के अनुसार पिछले साल तक मतदाता सूची में कुल 96 .88 करोड़ लोगों के नाम थे। जबकि देश में 18 साल से अधिक उम्र के लोगों की जनसंख्या केवल 91 करोड़ के आसपास थी। आंकड़ों की इस विसंगति के तीन प्रमुख कारण हो सकते हैं। पहला, पिछले 15 वर्षों से जनगणना न होने के कारण जनसंख्या का अनुमान सही न होना। दूसरा, मतदाता सूचियों में ऐसे लोगों के नाम शामिल होना जिनका निधन हो चुका है। तीसरा, अयोग्य, फर्जी और घुसपैठियों का शामिल होना। उन्हीं के निवारण के लिए चुनाव आयोग ने बिहार में मतदाता सूची के गहन पुनरीक्षण का काम शुरू किया है, जिसके समय को लेकर आइएनडीआइए के दल मुखर विरोध कर रहे हैं। विरोध करने वालों का एक तर्क यह है कि नागरिकता का सत्यापन करना गृह मंत्रालय का काम है, चुनाव आयोग का नहीं। हालांकि नागरिकता के सत्यापन के बिना मतदान करने की अर्हता तय नहीं हो सकती और उसे तय किए बिना सही मतदाता सूची नहीं बन सकती। मतदाता सूचियों के पुनरीक्षण का काम चुनाव एजेंसियों का ही है, इसलिए नागरिकता का प्रमाण मांगे बिना वे पारदर्शी मतदाता सूची कैसे तैयार कर पाएंगी? अमेरिका, ब्रिटेन, फ्रांस, जर्मनी, आस्ट्रेलिया और कनाडा से लेकर जापान तक हर देश की मतदाता सूची में शामिल होने के लिए नागरिकता का प्रमाण अनिवार्य है। घुसपैठियों की समस्या बढ़ने के कारण नागरिकता सत्यापन के नियम पूरे विश्व में कड़े होते जा रहे हैं। घुसपैठियों द्वारा मतदान के जरिये जनादेश को प्रभावित करना चुनाव प्रक्रिया में विदेशी हस्तक्षेप जैसा ही है। इसलिए बिहार में मतदाता सूची की पुनरीक्षा को चुनौती देने वालों के पक्ष में सर्वोच्च न्यायालय का कूद पड़ना और यह कहना कि ह्ययदि बड़े पैमाने पर लोगों को इस सूची से बाहर किया गया, तो वह हस्तक्षेप करेगाह्न हैरत की बात है। शीर्ष अदालत को तो उलटे निर्वाचन आयोग से यह पूछना चाहिए कि उसने बिहार में 2003 से और बंगाल में 2002 से आज तक मतदाता सूचियों का पुनरीक्षण क्यों नहीं किया? जिन फर्जी मतदाताओं और घुसपैठियों को मतदाता सूची से निकालने के लिए निर्वाचन आयोग ने पुनरीक्षा का काम शुरू किया है, उन्हें वोट बैंक बनाकर अब वही दल सबसे कड़ा विरोध कर रहे हैं जो इस समस्या को लेकर कभी सबसे मुखर रहे। मसलन, लालू प्रसाद यादव ने सितंबर 1992 में केंद्र सरकार से कहा था कि वह बांग्लादेश से हो रही घुसपैठ को रोकने के कारगर उपाय करे। उन्होंने ऐसा कानून बनाने की मांग भी रखी थी जो घुसपैठियों को अचल संपत्ति खरीदने से रोके। सीमावर्ती जिलों में भारतीयों को पहचान पत्र देने की सलाह भी दी थी ताकि घुसपैठियों की पहचान हो सके। इसी तरह 2005 में बंगाल की मतदाता सूचियों में घुसपैठियों की समस्या रेखांकित करने के लिए ममता बनर्जी ने तत्कालीन राष्ट्रपति अब्दुल कलाम को बांग्लादेश और बंगाल के उन दो चुनाव क्षेत्रों की मतदाता सूचियां भेंट की थीं, जिनमें अनेक नाम समान थे। आस्ट्रेलिया, कनाडा और जर्मनी ने मतदाता सूचियों को अद्यतन रखने के लिए निर्वाचन आयोगों को पासपोर्ट, ड्राइविंग लाइसेंस, जन्म-मृत्यु पंजीकरण और जनकल्याण जैसी नागरिकों के आंकड़े रखने वाली एजेंसियों से जोड़ रखा है। इसलिए वहां की चुनाव एजेंसियों को अपनी मतदाता सूचियां अद्यतन रखने में कठिनाई नहीं होती। जर्मनी ने अपना पता बदलने पर स्थानीय प्रशासन के दफ्तर में जाकर पंजीकरण कराना अनिवार्य कर रखा है, जिसकी वजह से मतदाता सूची भी अपने आप अद्यतन होती रहती है। ब्रिटेन और फ्रांस में स्थानीय सरकारें डाक और इलेक्ट्रानिक संपर्क के माध्यम से हर साल मतदाता सूची को अद्यतन करती हैं। लोग जब चाहें आनलाइन जाकर भी नाम दर्ज करा सकते हैं। इसके अलावा हर चुनाव से पहले भी इन्हें अद्यतन किया जाता है। स्वीडन, फिनलैंड और नीदरलैंड्स जैसे छोटे यूरोपीय देशों में राष्ट्रीय नागरिकता रजिस्टर भी हैं, जिससे फर्जी नाम और घुसपैठिए मतदाता सूचियों में जगह नहीं पा सकते। नागरिकता रजिस्टर रखने इसलिए भी जरूरी हैं, ताकि घुसपैठिए मुफ्त स्कूली शिक्षा और इलाज, वृद्धावस्था पेंशन और सीमित समय के लिए बेरोजगारी भत्ते आदि का लाभ न उठा सकें। यहां तक कि पाकिस्तान, अफगानिस्तान, बांग्लादेश, नेपाल, श्रीलंका और म्यांमार जैसे भारत के पड़ोसी देशों ने भी नागरिकता रजिस्टर या पहचान पत्र बना रखे हैं ताकि शरणार्थियों और घुसपैठियों का हिसाब रखा जा सके। क्या ऐसे असफल देशों से घिरे भारत को भी अपनी चुनाव प्रक्रिया को घुसपैठ के प्रभाव से बचाने के लिए नागरिकता रजिस्टर बनाने पर गंभीरता से विचार नहीं करना चाहिए? भारत अब धीरे-धीरे जनकल्याण सेवाओं का दायरा भी फैला रहा है। नागरिकता रजिस्टर बन जाने से एक तो फजीर्वाड़ा करने वाले लोग और घुसपैठिए न तो योजनाओं का अनुचित लाभ उठा पाएंगे और न ही जनादेश को भी प्रभावित कर पाएंगे। हालांकि इसके लिए चुनाव आयोग को मतदाता सूचियों के निरंतर और वार्षिक अद्यतनीकरण की व्यवस्था भी शुरू करनी होगी।

अति महत्वाकांक्षा के आत्मशिकार बने धनखड़

हरीश शिवननी

अब जब देश के नए उपराष्ट्रपति पद के लिए चुनाव-तिथि घोषित हो गई है तो अब पूर्व बन चुके जगदीप धनखड़ की चर्चा फिर निकल आई है। अब यह बात कोई स्वीकार्य नहीं रही है कि 21 जुलाई को उपराष्ट्रपति पद से जगदीप धनखड़ के इस्तीफे के मूल में स्वास्थ्य कारण नहीं हैं। भारतीय राजनीति के चरित्र के जानकार अच्छी तरह से जानते हैं कि स्वास्थ्य को लेकर इस महादेश में उपराष्ट्रपति तो दूर, किसी कस्बे की नगरपालिका का पार्षद भी कुर्सी नहीं छोड़ता। भारतीय लोकतंत्र के इतिहास में अब तक केवल दो उपराष्ट्रपति, वी.वी. गिरी और आर. वेंकटरमण ने इस्तीफा दिया था, लेकिन उन्होंने स्वास्थ्य कारणों से नहीं, बल्कि राष्ट्रपति पद के लिए चुनाव लड़ने के लिए इस्तीफा दिया था। धनखड़ के त्यागपत्र का कारण लिखित रूप में भले ही स्वास्थ्य रहा हो, किंतु वास्तविक कारण को समझने के लिए अब राजनीतिक अंतःपुर के अभेद्य कवच को भेदना कठिन नहीं है। दरअसल पिछले लंबे समय से धनखड़ का व्यवहार संवैधानिक प्रमुख की भूमिका से हटकर कार्यपालिका प्रमुख जैसा होने लगा था। इसे कुछ घटनाओं से समझा जा सकता है। गत वर्ष 3 दिसंबर को धनखड़ ने केंद्रीय कृषि मंत्री शिवराज सिंह चौहान से मुंबई में एक समारोह में न्यूनतम समर्थन मूल्य और किसानों से किए गए वादों को लेकर तीखे सवाल पूछे। उनके पूछने के तरीका इतना तल्ख था कि सब स्तब्ध रह गए थे। उधर, इस वर्ष मई में अमेरिकी उपराष्ट्रपति जेडी वेंस की भारत यात्रा के बाद उन्होंने भारतीय विदेश मंत्री एस जयशंकर से वेंस से हुई बातचीत की रिपोर्ट मांग ली। यह भी एक असामान्य बात थी कायदे से कैबिनेट मंत्रियों से सवाल पूछने या रिपोर्ट मांगने का अधिकार प्रधानमंत्री को ही होता है। इन दोनों घटनाओं को मोदी सरकार ने बहुत गंभीरता से लिया। धनखड़ के बदले और असहज करने वाले व्यवहार के संकेत पहले भी मिल रहे थे। गत वर्ष ही 20 जुलाई को पत्नी के जन्मदिन पर सरकारी खर्चे पर 800 लोगों को आमंत्रित और इसमें विपक्षी दलों के नेताओं, खास तौर पर शराब घोटाले में जेल यात्रा कर आए आम आदमी पार्टी के नेता अरविंद केजरीवाल की उपस्थिति ने कई प्रश्न खड़े किए। उनकी यह पार्टी ऐसी थी जैसे वे कुछ बड़ा करने जा रहे थे, लगता था जैसे वे भविष्य के लिए एक नया रास्ता, नए समीकरण बनाए जा रहे थे। धनखड़ ने सुप्रीम कोर्ट के दिनों के पुराने मित्र समाजवादी पार्टी के सांसद कपिल सिब्बल से अपने संबंधों को सक्रिय किया तो कांग्रेस अध्यक्ष खड़गे के नेतृत्व में विपक्ष भी आगे बढ़ रहा था। उधर, संसद के मानसून सत्र में न्यायाधीश निवास से अधजले नोटों के बोरों वाले बहुचर्चित जस्टिस धनन्जय वर्मा के प्रस्तावित महाभियोग मामले के अवसर का उपयोग सरकार कॉलेजियम प्रणाली को खराब रोशनी में दिखाने के लिए करना चाहती थी। वह नहीं चाहती थी कि धनखड़ विपक्षी सांसदों द्वारा लाए गए प्रस्ताव को स्वीकार करें। जब उन्होंने अपने फैसले पर अडिग रहने का फैसला किया, तो बीजेपी ने इसे बेहद गंभीरता से लिया। यह भी चर्चा थी कि सभापति धनखड़ जस्टिस शेखर यादव के खिलाफ भी महाभियोग चलाने के प्रस्ताव पर विचार करने लगे थे। उनके विरुद्ध महाभियोग का प्रस्ताव कपिल सिब्बल लेकर आए, और भ्रष्टाचारी जस्टिस वर्मा के खिलाफ कोर्ट में वर्मा के वकील भी कपिल सिब्बल ही हैं। इस तरह उनकी विपक्ष के साथ बढ़तीं नजदीकियां उनकी बढ़ रही महत्त्वाकांक्षा के संकेत दे रही थीं कि क्या वे जुलाई 2027 में विपक्ष के सहयोग से भारत के सर्वोच्च संवैधानिक पद पर बैठने की लालसा पाल रहे थे? उनके इस्तीफे के बाद एक टीवी चैनल की एक चौंकाने वाली एक्सक्लूसिव रिपोर्ट में चंद्रबाबू नायडू को एनडीए गठबंधन छोड़ने के लिए उकसाने वाली बात भी सार्वजनिक रूप से उजागर हुई। इन सबसे राजनीतिक पंडितों का विश्लेषण है कि क्या वे एनडीए में तोड़फोड़ कर मोदी सरकार को अल्पमत में लाकर स्वयं इस पद के लिए विपक्ष के साझा उम्मीदवार बनने की दिशा में योजनाबद्ध रूप से कदम-दर-कदम आगे बढ़ रहे थे? धनखड़ सार्वजनिक जीवन में कितने महत्वाकांक्षी रहे हैं, इस बात का अनुमान इसी से लगाया जा सकता है कि राजनीति में वे शुरू से ही सत्ताधारियों से संपर्क बढ़ाने में निरंतर सक्रिय रहे। सन- 1989 में जनता दल नेता देवी लाल के 75वें जन्मदिन पर 75 गाड़ियां लेकर बोट क्लब दिल्ली पहुंच देवीलाल को बर्थ डे विश से राजनीति शुरू करने वाले धनखड़ वीपी सिंह, चंद्रशेखर, राजीव गांधी शरद पवार के नजदीक रहे। 1998 में काले हरिण के मामले में सलमान खान की पैरवी कर उन्हें जोधपुर उच्च न्यायालय से जमानत दिला कर देश भर का ध्यान आकर्षित करने के बाद में भाजपा में आ गए। 2019 में भाजपा ने इनको पश्चिम बंगाल का राज्यपाल बना दिया। वहाँ कई मामलों में मुख्यमंत्री ममता बनर्जी से टकरा कर भाजपा की नजरों में चढ़ गए और 2022 में उपराष्ट्रपति बना दिए गए। वे जानते थे कि उपराष्ट्रपति के रूप में उनकी भूमिका सीमित ही है। अमेरिका में कहा जाता है कि उपराष्ट्रपति को राष्ट्रपति बनने से केवल एक सांस की दूरी रहती है। यदि राष्ट्रपति की मृत्यु हो जाती है, तो उपराष्ट्रपति स्वतः राष्ट्रपति बन जाता है और शेष अवधि के लिए राष्ट्रपति ही रहता है। भारत में, यदि राष्ट्रपति की मृत्यु हो जाती है, तो उपराष्ट्रपति कार्यवाहक राष्ट्रपति बनता है। वह तब तक ऐसा ही रहता है जब तक कि कोई नया राष्ट्रपति चुना नहीं जाता। बी.डी. जत्ती भारत के उपराष्ट्रपति थे। वे दो बार कार्यवाहक राष्ट्रपति रहे, लेकिन वह कभी राष्ट्रपति नहीं बने। राष्ट्रपति तो खैर धनखड़ भी नहीं बन पाए लेकिन अपनी महत्वाकांक्षा के आत्मशिकार हुए धनखड़ अपने इस्तीफे की कॉपी सोशल मीडिया पर डालने वाले देश के पहले उपराष्ट्रपति जरूर बन गए।

आधा-अधूरा कृत्रिम मेधा का ज्ञान देश की सुरक्षा के लिए खतरनाक

संजीव ठाकुर

अब आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस आपकी नब्ज पढ़कर आपके मस्तिष्क की बात तुरंत पकड़कर उस पर अमल करने लगेगा। कृत्रिम मेधा की तकनीक को वैज्ञानिकों ने मानव की सहायता के लिए और देश की बेहतरी के लिए अविष्कार किया है। अभी तक तो अमेरिका, ऑस्ट्रेलिया, ब्रिटेन, इजरायल, आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस के मामले में काफी आगे हो गये हैं। अब खाड़ी के देशों विगत 5 साल में आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस को अपनाकर अपनी आर्थिक स्थिति केवल तेल के कुए पर न रह कर अन्य योजनाओं पर भी काम करना शुरू कर दिया है।आश्चर्यजनक रूप से यूएई ,सऊदीअरबिया, कतर, मिस्त्र ,जॉर्डन, मोरक्को और अन्य देशों में यूरोप की तुलना में अब और ज्यादा खर्च करके आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस की तकनीक को अपने देश में बहुत मजबूत बना लिया। आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस जितने फायदे हैं उससे ज्यादा विकासशील देशों के लिए यह नुकसानदेय भी हो सकता है। आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस आपकी पल्स रीडिंग और मानसिक विचारधारा को केवल थंब इंप्रेशन में ही आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस का डिवाइस पढ़ कर उस पर अमल कर सकता है।इस टेक्नोलॉजी से अमेरिका तथा यूरोपीय देश अब तक दुश्मन की अनेक सूचनाएं बड़ी आसानी से प्राप्त कर उसका सामरिक उपयोग करने में लगे हुए हैं। आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस का उपयोग रूस अपनी टेक्नोलॉजी का उपयोग कर मिसाइल दागने में यूक्रेन यूक्रेन के विरुद्ध कर रहा है। अब तक यूक्रेन यूरोपीय तथा नाटो देश की मदद से इसी तकनीक के सहारे रूस के विरुद्ध अब तक टिका हुआ है। वैसे यूक्रेन और रूस का युद्ध में काफी नुकसान हुआ है पर आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस का भरपूर उपयोग दोनों देश एक दूसरे पर कर रहे हैं विकासशील देशों में इस टेक्नोलॉजी का विकास अभी काफी एडवांस नहीं है इन परिस्थितियों में उनके लिए उनके सामरिक महत्व की चीजें छुपाना दुश्मन देशों के सामने कठिन हो जाएगा और उनकी खुफिया जानकारी शक्तिशाली देश आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस केवल एक सूत्र प्राप्त करने के बाद ही पूरी प्राप्त कर सकते हैं।खाड़ी के देश जिनमें सऊदी अरबिया, कतर ,मिस्त्र, जॉर्डन, यूएई अपने बजट का 34% बढ़ा हुआ हिस्सा एआई तकनीक पर लगातार कर रहे हैं। खाड़ी के देश इस टेक्नोलॉजी का उपयोग इस वजह से कर रहे हैं क्योंकि यह उनकी भविष्य की योजनाओं का महत्वपूर्ण हिस्सा है जिससे वे तेल की कमाई से हटकर अन्य साधनों से अपनी अर्थव्यवस्था में सुधार ला सकेंह्न यूं एई पहला देश है जिसने 2017 ने इस तकनीक को अपनाया था इसके बाद खाड़ी के देशों में अब टेक्नोलॉजी को अपनाने में होड़ हो गई हैह्न यह सभी देश एआई टेक्नोलॉजी पर लगभग 3 अरब डॉलर खर्च कर चुके हैंह्न दूसरी तरफ यदि इसका इस्तेमाल अति विशेषज्ञों द्वारा नहीं किया गया तो इसका दुरुपयोग जिन देशों के पास इन टेक्नोलॉजी से एडवांस टेक्नोलॉजी है वह पूरी जानकारी निकालने में सक्षम होंगे। आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस का उपयोग यूरोपीय देश न सिर्फ सामरिक महत्व की चीजों में कर रहे हैं बल्कि मेडिकल साइंस और अंतरिक्ष विज्ञान में भी पूरी तरह हो रहा है और इससे बहुत फायदे भी मिल रहे हैंह्न आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस मानव प्रजाति के लिए जितना फायदेमंद है दूसरी तरफ उतना ही नुकसान दे और इससे वैश्विक शांति को खतरा भी हो सकता हैह्न राइट एक्टिविस्ट मानते हैं कि रोबोट की तरह इस तरह की विज्ञान पर आधारित चीजें माननीय प्रजाति को खत्म कर सकती है बल्कि उनकी चिंता डेटा सुरक्षा प्रपो गेंडा सर्विलांस के विरुद्ध होने वाले नुकसान पर भी ज्यादा है।

मंत्री नन्दी ने करछना तहसील के बाढ़ प्रभावित कटका गांव का किया निरीक्षण

- अधिकारियों को सतर्क रहने और बाढ़ पीड़ितों के लिए सूखा राशन की व्यवस्था करने के दिए निर्देश
- आपदा की इस घड़ी में लोगों के साथ कंधा से कंधा मिलाकर खड़ी है हमारी सरकार: नन्दी

भारत संवाद

उत्तर प्रदेश सरकार के औद्योगिक विकास मंत्री नन्द गोपाल गुप्ता नन्दी ने सोमवार को जनपद प्रयागराज के बाढ़ प्रभावित करछना तहसील के ग्राम सभा कटका डेरा गांव का निरीक्षण किया। मंत्री नन्दी ने बाढ़ पीड़ितों के बीच जाकर बाढ़ की स्थिति का अवलोकन करने के साथ ही बाढ़ प्रभावितजनों का कुशलक्षेम जाना। मंत्री नन्दी ने अधिकारियों को बाढ़ ग्रस्त इलाकों में सूखा राशन एवं मवेशियों के लिए चारा की व्यवस्था कराने के निर्देश दिए।मंत्री नन्दी ने अधिकारियों को निर्देशित करते हुए कहा कि गंगा और यमुना के जलस्तर में लगातार वृद्धि जारी है। ऐसे में बाढ़ चौकी के माध्यम से जलस्तर की सतत निगरानी की जाए।

ग्राम प्रधानों से समन्वय स्थापित कर आवश्यकता पड़ने पर लोगों को सुरक्षित निकालने और राहत शिविर में पहुंचाने की तैयारी किए जाने के भी निर्देश दिए। मंत्री नन्दी ने कहा कि मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ के नेतृत्व में उत्तर प्रदेश सरकार बाढ़ प्रभावितजनों को समस्त सुविधाएं पहुंचाने के लिए प्रतिबद्ध है। सरकार और प्रशासन आपदा की इस घड़ी में लोगों के साथ कंधा से कंधा मिलाकर खड़ी है। पुरी तरह से मुस्तैद और सचेत है।

बाढ़ से प्रभावित लोगो के राहत व बचाव कार्यो मे कोई कोर कसर बाकी न रखी जाय : श्री केशव प्रसाद मौर्य

बाढ़ शरणालयों में महिलाओं के ठहरने के लिए उचित व्यवस्था के साथ उनकी सुरक्षा का पूरा ध्यान रखा जाए

- बाढ़ राहत सामग्री की गुणवत्ता व मात्रा को रैण्डम चेक किया जाए
- नावों की पर्याप्त बनाये रखी जाय।
- कोई भी व्यक्ति जर्जर भवन में न रहे, अविलम्ब बाढ़ शरणालय में शिफ्ट किया जाए
- उपमुख्यमंत्री जी ने बाढ़ की तैयारियों के सम्बंध में मा0 जनप्रतिनिधियों एवं अधिकारियों के साथ की बैठक, सम्बंधित अधिकारियों को दिए आवश्यक निर्देश

भारत संवाद

लखनऊ/प्रयागराजः उपमुख्यमंत्री उत्तर प्रदेश श्री केशव प्रसाद मौर्य ने सोमवार को प्रयागराज मे बाढ़ क्षेत्रों एवं बाढ़ राहत शिविरों का निरीक्षण करने के पश्चात सर्किट हाउस के सभागार में बाढ़ की तैयारियों के सम्बन्ध में मा0 जनप्रतिनिधियों एवं अधिकारियों के साथ बैठक करते हुए सभी सम्बंधित अधिकारियों को आवश्यक दिशा-निर्देश दिए है। उपमुख्यमंत्री ने सर्वप्रथम जिलाधिकारी से मां गंगा एवं यमुना के जलस्तर एवं अन्य तैयारियों के बारे में जानकारी ली। जिस पर जिलाधिकारी के द्वारा बताया गया कि अभी जलस्तर बढ़ रहा है, लेकिन जलस्तर के बढ़ने की गति में कमी आयी है तथा अगले 24 घण्टे में स्थिर होने की सम्भावना है। शहरी क्षेत्र के 47 मोहल्ले बाढ़ से प्रभावित है तथा शहर में बाढ़ से पीड़ित लोगो के लिए 18 राहत शिविरों बनाये गये है, जहां पर लगभग 7000 लोग रह रहे है। 6 तहसीले भी बाढ़ से प्रभावित है लेकिन बारा, सोरांव और मेजा में ही लोगो को विस्थापित किया गया है तथा लगभग 1200 जानवरों को भी सुरक्षित स्थान पर पहुंचाकर उनके भूसा-चारे का प्रबंध किया गया है। जो गांव सम्पर्क से कट गये है और टापू बन गये है, वहां पर सभी आवश्यक व्यवस्थायें किए जाने के साथ सूखा राशन उपलब्ध भी कराया जा रहा है।श्री केशव प्रसाद मौर्य ने कहा कि बाढ़ से प्रभावित लोगो के राहत व बचाव कार्यो मे कोई कोर कसर बाकी न रखी जाय।बाढ़ राहत सामग्री की गुणवत्ता व मात्रा को रैण्डम चेक किया जाए।बाढ़ शरणालयों में महिलाओं के ठहरने के लिए उचित व्यवस्था के साथ उनकी सुरक्षा का पूरा ध्यान रखा जाए।बाढ़ कण्ट्रोल रूम 24x7 क्रियाशील रहें। नावों की पर्याप्त बनाये रखी जाय।कोई भी व्यक्ति जर्जर भवन में न रहे, अविलम्ब बाढ़ शरणालय में शिफ्ट किया जाएबैठक में उपमुख्यमंत्री ने कहा कि हमारी सरकार सेवा भाव से कार्य करती है, यह बाढ़ आपदा है, लेकिन सरकार की व्यवस्थाओं में किसी भी प्रकार की कोई कमी नहीं रहनी चाहिए। सभी अधिकारी भी इसे सेवा का अवसर मानते हुए सेवाभाव से कार्य करें। उन्होंने कहा कि उनके द्वारा अभी बाढ़ राहत केन्द्रों का निरीक्षण किया गया तथा वहां पर रह रहे लोगो से प्रशासन के द्वारा उपलब्ध करायी जा रही सुविधाओं एवं व्यवस्थाओं के बारे में जानकारी लिए जाने पर राहत शिविरों में रह रहे लोगो ने प्रशासन द्वारा की गयी व्यवस्थाओं की प्रशंसा की।

जनपद के प्रभारी मंत्री/मा औद्योगिक विकास, निर्यात प्रोत्साहन, एनआरआई एवं निवेश प्रोत्साहन विभाग ने बाढ़ प्रभावित क्षेत्रो का मोटरबोट से भ्रमण कर किया निरीक्षण

विधायक नगर, जिलाधिकारी, वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक, अध्यक्ष नगर पालिका रहे उपस्थित

- राहत शिविर में पहुंचकर प्रभावित महिलाओं से वार्ता कर सुविधाओं के बारे में ली जानकारी, पीड़ितो को वितरित किया राहत/खाद्य सामाग्री पैकेट
- किसी भी आपदा से निपटने के लिए उत्तर प्रदेश सरकार कटिबद्ध-कोई भी पीड़ित राहत से वंचित न होने पाएं -नन्द गोपाल गुप्ता नन्दी

भारत संवाद

मीरजापुर - प्रदेश के मा0 मंत्री, औद्योगिक विकास, निर्यात प्रोत्साहन, एनआरआई एवं निवेश प्रोत्साहन विभाग/जनपद के प्रभारी मंत्री श्री नन्द गोपाल गुप्ता नंदी ने आज जनपद भ्रमण के दौरान बाढ़ प्रभावित क्षेत्र कोन विकास खण्ड के ग्राम हरसिंहपुर, मल्लेपुर, श्रीपट्टी में मोटरबोट से मा0 विधायक नगर श्री रत्नाकर मिश्र, अध्यक्ष नगर पालिका परिषद श्याम सुन्दर केसरी, जिलाधिकारी पवन कुमार गंगवार व वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक के साथ भ्रमण कर बाढ़ के हालात को देखा। निरीक्षण के दौरान मा0 कैबिनेट मंत्री ग्राम हरसिंहपुर के दलित बस्ती व नाई बस्ती में भी नाव से भ्रमण कर निरीक्षण किया। उन्होंने उपस्थित अधिकारियों से कहा कि बाढ़ प्रभावित फसलों व मकानों का सर्वे कराते हुए नियमानुसार पारदर्शिता के साथ मुआवजा मुहैया कराया जाए। मा0 मंत्री ने कहा कि प्रभावित/पीड़ित परिवारों को राहत सामाग्री व खाद्य सामाग्री का वितरण किया जाए। कोई भी प्रभावित व्यक्ति राहत से वंचित न रहने पाए, उदासीनता व लापरवाही पर कड़ी कार्यवाही की जाएगी। इसके पूर्व मा0 कैबिनेट मंत्री एस0के0 इण्टर कालेज श्रीपट्टी मवैया में स्थापित राहत शिविर का निरीक्षण किया तथा शिविर में रह रही बाढ़ प्रभावित महिलाओं से जिला प्रशासन द्वारा देय राहत सुविधाओं के बारे में जानकारी प्राप्त की। तत्पश्चात मा0 मंत्री व मा0 विधायक नगर के द्वारा हरसिंहपुर, मल्लेपुर व आस पास के प्रभावित ग्रामों/मजरो के परिवारो को राहत/खाद्य सामाग्री पैकेट का वितरण किया गया। मा0 मंत्री, औद्योगिक विकास, निर्यात प्रोत्साहन, एनआरआई एवं निवेश प्रोत्साहन विभाग/जनपद के प्रभारी मंत्री श्री नन्द गोपाल गुप्ता नंदी ने उपस्थित प्रेस प्रतिनिधियों से वार्ता के दौरान कहा कि मा0 मुख्यमंत्री श्री योगी आदित्यनाथ के निर्देश के क्रम में आज राहत शिविर का निरीक्षण कर लोगों को मुहैया कराई जा रही राहत सामग्रियों का भी निरीक्षण किया गया। उन्होंने कहा कि मा0 प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी जी के कुशल मार्ग निर्देशन एवं मा0 मुख्यमंत्री के नेतृत्व में किसी भी आपदा से निपटने के लिए उत्तर प्रदेश सरकार हर समय तैयार है। उन्होंने कहा कि राहत शिविर में कुछ ऐसी बुजुर्ग माताओं से मिला जिन्होंने 1978 की बाढ़ भी देखी है कुछ ऐसी महिलाएं जिन्होंने 2013 की बाढ़ देखी है सभी ने अपनी अपनी बातें बता रही थी इस बार जो खाद्य सामाग्री पैकट की त्वरित व्यवस्था प्रदेश सरकार द्वारा की गई है उसमें 26 तरह की सामाग्री हैं जिसमें आटा, दाल, चावल, तेल, नमक, हल्दी, धनिया, मिर्चा, सब्जी मसाला, नैपकिन, पालिथीन, तिरपाल, मोमबत्ती, माचिस, चना, लाई, आलू, कपड़ा धुलने एवं नहाने के लिए साबुन सहित अन्य सामग्रियां उत्तम गुणवत्ता की है प्रभावितों को वितरण किया गया। प्रभावित लोगों के चेहरे पर खुशी है कि उन्हें सरकार द्वारा इस आपदा के समय में उनके सुख सुविधाओं का ख्याल रखते हुए उनके आवश्यकता की सभी सामग्रियां प्रदान करते हुए राहत शिविरों में उन्हें सुरक्षित रखा गया है। उन्होंने कहा कि मा0 प्रधानमंत्री जी का नारा सबका साथ सबका विश्वास सबका विकास सबका प्रयास यह नारा नहीं बल्किक हमारा उद्देश्य है।

अन्तर मण्डलीय सांस्कृतिक प्रतियोगिता 2025 (सांस्कृतिक महोत्सव) का शुभारम्भ

भारत संवाद

उत्तर मध्य रेलवे द्वारा दिनांक 04.08.2025 से दिनांक 05.08.2025 तक अन्तर मण्डलीय सांस्कृतिक प्रतियोगिता 2025 (सांस्कृतिक महोत्सव) का आयोजन किया जा रहा है। इस प्रतियोगिता में उत्तर मध्य रेलवे के मुख्यालय मण्डलो एवं इकाईयों के रेल कर्मियों द्वारा नाटक नृत्य संगीत वाद्यय विधाओं में अपनी प्रस्तुति दी जा रही है। प्रतियोगिता का शुभारम्भ दिनांक 04.08.2025 को उत्तर मध्य क्षेत्रीय सांस्कृतिक केन्द्र प्रयागराज में आदरणीय प्रधान मुख्य कार्मिक अधिकारी सम्बन्धित निर्णायक मण्डल एवं अधिकारियों के स्वागत उपरान्त द्वीप प्रज्जवलित करके किया गया। इस अवसर पर उत्तर मध्य रेलवे में मुख्यालय, मंडलों एवं इकाईयों से सांस्कृतिक 4 विधाओं के 10 उप विधाओं में 120 प्रतिभागी भाग ले रहे हैं। प्रतियोगिता में सर्वप्रथम नाटक का मंचन किया गया। उत्तर मध्य रेलवे के प्रयागराज मण्डल द्वारा लखन पटवारी नामक का नाटक मंचन किया गया। इसके बाद आगरा मण्डल द्वारा डिस्काउन्ट के धुले झाँसी मण्डल द्वारा नाई का रहस्य तथा झाँसी कारखाना द्वारा फटी पैन्ट नाटकों की मनमोहक प्रस्तुति दी गयी। मध्यान्ह भोजन उपरान्त मोनो एक्टिंग, मीमेक्री एकल, पारम्परिक नृत्य, समूह नृत्य पारम्परिक वाद्य, सुगम वाद्य जैसी विधाओं में उत्तर मध्य रेलवे के मण्डल एवं इकाईयों की टीमों द्वारा अपनी प्रस्तुति दी गयी।कार्यक्रम के इस अवसर पर उत्तर मध्य रेलवे के सम्मानित अधिकारी एवं कर्मचारीगण उपस्थित रहे। उत्तर मध्य रेलवे मुख्यालय मंडलों एवं इकाईयों के प्रतिभागियों ने अपनी उपस्थिति दर्ज की तथा अपनी मनमोहक प्रस्तुतियों से उपस्थित जनमानस को आनन्दित किया।

प्रयागराज से बाबा विश्वनाथ तक स्केटिंग से कांवड़ यात्रा

सेना में भर्ती की मन्नत लेकर निकले भक्त

भारत संवाद

प्रयागराज, बनारस तक कांवड़ यात्रा में सावन के महीने में आस्था के अनोखे रंग देखने को मिल रहे हैं। कोई नंगे पांव, कोई सिर पर कांवड़ उठाए तो कोई अनोखे तरीके से अपनी मन्नत पूरी कर रहा है। इस बार 13 साल का शिवम निषाद सबसे अलग नजर आया है। वह स्केटिंग शूज पहनकर बाबा विश्वनाथ को जल चढ़ाने निकल पड़ा है। शिवम प्रयागराज से करीब 110 किलोमीटर की दूरी स्केटिंग करते हुए तय कर रहा है। उसके साथ उसका पिता, भाई और चाचा पैदल चल रहे हैं। शिवम ने बताया, दो साल पहले यूट्यूब पर बच्चों को स्केटिंग करते देखा, तो मुझे भी करने का मन हुआ। पापा से पैसे लेकर स्केटिंग शूज खरीदे। फिर बाबा से मन्नत मांगी थी। अब उसी शूज से कांवड़ लेकर जा रहा हूँ। शिवम के भाई शनि निषाद ने बताया कि कुछ समय पहले शिवम को एक गंभीर बीमारी हो गई थी। डॉक्टरों ने उम्मीद छोड़ दी थी, लेकिन बाबा विश्वनाथ से मन्नत मांगी और शिवम धीरे-धीरे ठीक हो गया। मन्नत पूरी होने पर अब पूरा परिवार पैदल कांवड़ यात्रा पर है। सिर्फ शिवम ही नहीं, इस रास्ते पर कई भक्त अपनी-अपनी मन्नतें लेकर चल रहे हैं। कोई सेना में अफसर बनने की मन्नत लिए तो कोई परीक्षा में टॉप करने की कामना लेकर कांवड़ उठा रहा है। सैदपुर की दो बहनें रीता और सरिता निषाद भी अपने पिता भोले निषाद के साथ पैदल यात्रा पर निकली हैं। रीता ने बताया, मां और पापा की तबीयत बहुत खराब थी। बाबा से वादा किया था कि ठीक हो जाएं तो कांवड़ चढ़ाएंगे। अब वो ठीक हैं तो वादा निभा रहे हैं। सरिता ने कहा, रास्ते की मुश्किलें हमारे इरादों के आगे कुछ नहीं हैं। बाबा की भक्ति ही हमारी ताकत है।

सावन की इस यात्रा में हर कदम पर भक्ति, मन्नत और आस्था के रंग बिखरे हैं और हर भक्त अपने तरीके से बाबा तक पहुंचने की कोशिश में है।

नगर आयुक्त द्वारा बाढ़ राहत शिविरों का किया निरीक्षण

मोबाइल टॉयलेट की नियमित सफाई, चेन्जिग रूम, डस्टबिन में लाईनर बैक के लगाने के दिये निर्देश।

भारत संवाद

प्रयागराज। गंगा व यमुना नदी का जल स्तर खतरे के निशान से ऊपर होने के कारण निकटवर्ती क्षेत्रों में रहने वाले आम जनमानस भी प्रभावित हो रही है साथ ही विस्थापित शरणार्थियों को किसी समस्या का समाना न करना पड़े है, जिसके क्रम में नगर आयुक्त नगर निगम प्रयागराज द्वारा बाढ़ प्रभावित क्षेत्रों के शरणार्थियों हेतु बने बाढ राहत शिविर, ऋषीकुल उच्चतर माध्यमकि विद्यालय, वाई0एम0सी0ए0 स्कूल तथा ब्याज हाई स्कूल प्रयागराज का निरीक्षण किया गया। इस दौरान लगभग 800 से अधिक लोगों ने शरण ली हुई थी, निरीक्षण के दौरान ब्याज हाई स्कूल के अन्दर बारिश के कारण अत्यधिक कीचड पाया गया जिसके लिए मुख्य अभियन्ता को जी0एस0बी0 डाल कर समतल कराये जाने के निर्देश दिये गये। स्कूल का शौचालय भी भरा हुआ पाया गया जिसकी साफ-सफाई हेतु महाप्रबन्धक को जेटिंग मशीन लगाकर तत्काल निर्देशित किया गया। वाई0एम0सी0ए0 स्कूल के निरीक्षण के दौरान महिलाओं के लिए चेन्जिग रूम, एक अद्द मोबाइल टॉयलेट की व्यवस्था, शौचालय की साफ-सफाई व पेयजल की उपलब्धता सुनिश्चित कराये जाने के निर्देश जोनल अधिकारी को दिये गये। स्कूल के गेट पर कीचड़ के कारण आवागमन बाधित हो रहा था जिसके लिए पुरानी इण्टर लॉकिंग लगाये जाने के भी निर्देश मुख्य अभियन्ता सिविल को दिये गये। नगर आयुक्त द्वारा मौके पर कई शरणार्थियों से उनका हाल-चाल जाना। इस सम्बन्ध में उपस्थित लेखपाल से जानकारी ली गयी तो बताया गया कि सुबह का नास्ता और भोजन की व्यावस्था की नियमित रूप से की जाती है एवं किसी भी प्रकार की समस्या नही है।

स्टांप तथा पंजीयन मंत्री ने सेवानिवृत अधिकारियों को किया सम्मानित

भारत संवाद

लखनऊ- प्रदेश के स्टाम्प एवं पंजीयन राज्य मंत्री (स्वतंत्र प्रभार) श्री रवींद्र जायसवाल द्वारा सोमवार को विधान भवन कक्ष संख्या-80 में 31 जुलाई, 2024 से 31 जुलाई, 2025 तक विभाग के सेवानिवृत्त हुए अधिकारियों को सम्मानित कर उन्हें भावपूर्ण विदाई दी गई तथा उनके स्वस्थ और उज्ज्वल भविष्य की कामना की गई। सम्मानित किए जाने वाले अधिकारियों में 1 अपर महानिरीक्षक श्री पुनीत कुमार, 13 उप महानिरीक्षक श्री कौशलेन्द्र शुक्ल, श्री विजय कुमार तिवारी, श्री देवेन्द्र सिंह, श्री अजय कुमार त्रिपाठी, श्री कृष्ण कुमार मिश्र, श्री शिव शंकर पाल, श्री राम अकबाल सिंह, श्री सुभाष चन्द्र मिश्र, श्री शम्भू नाथ यादव, श्री राम शरण त्रिपाठी, श्री पंकज कुमार सिंह श्री अविनाश पाण्डेय श्री राम दयाल तथा 5 सहायक महानिरीक्षक श्री राजाराम श्री मनोज कुमार श्रीवास्तव-2 श्री नरेन्द्र पाल सिंह, श्री प्रदीप राणा, श्री ब्रिजेन्द्र कुमार यादव शामिल थे।

करंट लगने से युवक की मौत

नहाने के बाद बोर्ड का स्विच बंद करते समय हादसा

भारत संवाद

अमेठी , जिले के तिलोई कस्बे में एक दुखद घटना में 21 वर्षीय सोहित कुमार गौतम की करंट लगने से मौत हो गई। हरिप्रसाद गौतम के पुत्र सोहित नहाने के बाद बिजली का स्विच बंद करने गए थे जब यह हादसा हुआ। करंट लगते ही सोहित जमीन पर गिर पड़े और बेहोश हो गए। परिजन तुरंत उन्हें सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र तिलोई ले गए। वहां डॉक्टरों ने जांच के बाद उन्हें मृत घोषित कर दिया। घटना की सूचना मिलने पर मोहनगंज थाना प्रभारी निरीक्षक राकेश सिंह अपनी टीम के साथ मौके पर पहुंचे। उन्होंने घटनास्थल का निरीक्षण किया और बताया कि जांच के बाद आगे की कार्रवाई की जाएगी। सोहित अपने परिवार का सबसे मेहनती और जिम्मेदार युवक बताए जाते थे। वह अपने पिता के साथ राज मिस्त्री का काम करते थे। साथ ही इलेक्ट्रिकल कार्यों में भी रुचि रखते थे। वह अक्सर घर के छोटे-मोटे बिजली मरम्मत के काम स्वयं करते थे।

संदेश

स्वामी चिदानन्द सरस्वती जी ने संस्कृति से जुड़ो, मूल को मत भूलो! का दिया संदेश

परमार्थ निकेतन के अध्यक्ष, स्वामी चिदानन्द सरस्वती जी का सनातन मन्दिर चैटानूगा, टेनेसी, यूएसए में आगमन

- सनातन मन्दिर, चैटानूगा (टेनेसी) में हिन्दू धर्म के महाग्रंथ हिन्दू धर्म विश्व कोश के ग्यारह खंडों की स्थापना
- भारत, शरीर से नहीं, संस्कारों से जिया जाता है : स्वामी चिदानन्द सरस्वती

भारत संवाद

ऋषिकेश। परमार्थ निकेतन के अध्यक्ष, स्वामी चिदानन्द सरस्वती जी महाराज का अमेरिका के टेनेसी स्थित सनातन मन्दिर, चैटानूगा में दिव्य आगमन हुआ। स्वामी जी ने अप्रवासी भारतीय समुदाय, विशेषकर युवाओं और परिवारों से आत्मीय संवाद करते हुए उन्हें अपने गाँव, मूल, भाषा, मूल्यों और संस्कृति से जुड़े रहने हेतु प्रेरित किया। स्वामी जी ने कहा, जहाँ भी जाओ, जड़ों को मत भूलो। अमेरिका में रहो, लेकिन भारत को जियो क्योंकि सनातन संस्कृति जीने की पवित्र पद्धति है। स्वामी जी ने भारतीय संस्कृति की गहराई, संस्कारी जीवनशैली, और ध्यान, सेवा, एवं संयम के महत्व पर प्रकाश डाला। उन्होंने युवाओं को प्रेरित किया कि वे केवल आधुनिकता की दौड़ में न भागें, बल्कि अपने धर्म, परंपराओं, भाषा और भारतीयता को गर्व से धारण करें। अमेरिका में रहते हुए भी अपने रिश्तों, रीति-नीति और धर्म से जुड़े रहें, ताकि आने वाली पीढ़ियाँ भी सनातन मूल्यों को समझें और अपनाएँ। स्वामी जी ने विशेष रूप से युवाओं और बच्चों से संवाद किया। उन्होंने अमेरिका में पले-बढ़े बच्चों को भारतीय भाषाओं, श्लोकों, भजनों और मूल्यों से जोड़ने के लिए अभिभावकों का आह्वान करते हुये कहा कि अगर अगली पीढ़ी संस्कृति से कट जाएगी, तो अपनी पहचान खो देगी। स्वामी जी ने कहा कि मोबाइल की कनेक्टिविटी से पहले संस्कृति की कनेक्टिविटी जरूरी है। अपने घर में हिंदी बोलें, बच्चों को अपने त्योहारों, पर्वों व संस्कृति के बारे में बताएं। उन्होंने यह भी बताया कि भारत केवल एक भौगोलिक भूमि नहीं, बल्कि एक संस्कारभूमि है, जिसे अपने जीवन में जीवित रखना हम सभी का उत्तरदायित्व है। स्वामी जी ने सनातन मंदिर प्रबंधन और सेवाभावी परिवारों की सराहना करते हुए कहा कि आप सभी ने चैटानूगा, टेनेसी, यूएसए में सनातन मन्दिर के माध्यम से भारतीय संस्कृति की ज्योति जला रखी हैं, जो आगे आने वाली पीढ़ियों को उजाला देगी। स्वामी जी ने स्पष्ट किया कि आधुनिकता को अपनाना गलत नहीं है, लेकिन जीवन में आधुनिकता और आध्यात्मिकता का संतुलन होना चाहिए। उन्होंने प्रवासी भारतीयों से आग्रह किया कि वे अमेरिका की भौतिक उन्नति के साथ-साथ भारत की आध्यात्मिक और सांस्कृतिक उन्नति को भी अपने परिवारों में जीवित रखें। भारत की मिट्टी को केवल स्मृति न बनाएं, उसे जीवन की ऊर्जा बनाएं।ह्व स्वामी जी का यह संपूर्ण प्रवास एक संस्कृति-जागरण का संदेश लेकर आया। उन्होंने सभी परिवारों से आग्रह किया कि वे अपने बच्चों को मंदिरों से, ग्रंथों से, श्लोकों से और संस्कारों से जोड़ें। उन्होंने कहा कि भले ही आप भारत से हजारों मील दूर हैं परन्तु आपने हृदय में भारत धड़कते रहना चाहिये। भारत शरीर से नहीं, संस्कारों से जिया जाता है। आप जहाँ भी हों, भारत को जिएं। इस पावन अवसर पर स्वामी चिदानन्द सरस्वती जी के पावन सान्निध्य में सनातन मन्दिर, चैटानूगा (टेनेसी) में हिन्दू धर्म के महाग्रंथ ह्यहिन्दू धर्म विश्व कोशह्व के ग्यारह खंडों की स्थापना की गई। यह विश्व कोश हिन्दू धर्म की गहराई, व्यापकता और विविधता का अद्भुत संग्रह है, जिसमें वेद, उपनिषद, पुराण, दर्शन, आचार-विचार, परंपराएँ और जीवन मूल्यों का समावेश है।

महिला के ट्रेन से कटे दोनों पैर

बेटे की तालाब में डूबकर मौत, बारिश में डूबा घर, फिर भी नहीं मिला आवास

भारत संवाद

अमेठी , जिले के सिंहपुर ब्लॉक के ग्राम कुकहा रामपुर में प्रतिभा सिंह पिछले कई वर्षों से आवास के लिए संघर्ष कर रही हैं। प्रधान और प्रशासनिक लापरवाही के कारण उन्हें प्रधानमंत्री आवास योजना के तहत अब तक घर नहीं मिल सका है। जनवरी माह में प्रतिभा के दोनों पैर ट्रेन दुर्घटना में कट गए। इस हादसे के मात्र एक महीने बाद उनके 14 वर्षीय बेटे की तालाब में डूबने से मृत्यु हो गई। वर्तमान में उनका परिवार अत्यंत दयनीय स्थिति में जीवन यापन कर रहा है। प्रतिभा के परिवार में पति वेद प्रकाश सिंह, 8 वर्षीय बेटा और 5 वर्षीय बेटी हैं। यह परिवार कच्चे और जर्जर छप्पर के नीचे रहने को मजबूर है। बारिश के मौसम में उनके घर में पानी भर जाता है जिससे वे बेघर होने को विवश हैं। ग्राम प्रधान अशोक पासी और उनके प्रतिनिधि ने रिपोर्ट में इस परिवार को आवास के लिए पात्र बताया था। इसके बावजूद आज तक इन्हें आवास स्वीकृत नहीं किया गया है। कई बार गुहार लगाने के बाद भी अधिकारियों और जनप्रतिनिधियों ने कोई ठोस कदम नहीं उठाया। ग्रामीणों का कहना है कि ऐसे जरूरतमंद परिवारों को प्राथमिकता पर आवास मिलना चाहिए। लेकिन शासन की योजनाएं कागजों तक ही सीमित रह गई हैं।

ब्राह्मण महासभा ने मनाई महाकवि तुलसीदास जयंती

उत्कृष्ट अंकों से उत्तीर्ण हुए हाई स्कूल व इंटरमीडियट के ब्राह्मण विद्यार्थीयों का किया संमान

प्रवीन कुमार शर्मा संवाददाता/भारत संवाद

अलीगढ।आज महानगर में स्थिति रघुनाथ पैलेस में महाकवि गोस्वामी तुलसीदास जयंती के उपलक्ष्य में राष्ट्रीय ब्राह्मण महासभा अलीगढ़ द्वारा कार्यक्रम किया गया, धूम धाम से मनाई जन्म जयंती। इस कार्यक्रम में मुख्य अतिथि अलीगढ सांसद सतीश गौतम, हाथरस जिला पंचायत अध्यक्ष सीमा उपाध्याय, कोल विधायक अनिल पाराशर, संजय भार्गव रहे सांसद ने कहा सनातन धर्म के मूल्यों पर प्रकाश डालते हुऐ महाकवि तुलसीदास जी के आदर्श जीवन, लिखें गये काव्य और शिक्षाओं के महत्व से अवगत कराते हुऐ उनके आदर्शो चलने से सनातन धर्म सार्थक होगा. महाकवि तुलसीदास के बौद्धिक एवं चारित्रिक विकास पर जोर दिया। विधायक अनिल पाराशर ने सत्कर्म,भक्ति एवं नैतिक मूल्य के मार्ग पर चलने के लिए प्रेरित किया। इस मौके पर रेंद्र भान पचौरी चेयरमैन पोस्टल कॉपरेटिव बैंक उत्तर प्रदेश, मधु मिश्रा पूर्व प्रदेश अध्यक्ष,संजय शर्मा राजा पूर्व मंत्री, मंजू शर्मा, राधेलाल शर्मा, विवेक सारस्वत, राजीव शर्मा महानगर अध्यक्ष, नेकराम शर्मा, शिवनारायण शर्मा, राम गोपाल शर्मा, संजय शर्मा, नरेंद्र पचौरी, राहुल शर्मा, देवीचरण शर्मा आदि काफी संख्या में विप्रजन मौजूद रहे।कार्यक्रम में ब्राह्मण समाज के दर्जनों हाईस्कूल और इंटरमीडिएट उत्तम अंकों से उत्तीर्ण हुए विद्यार्थियों को सम्मानित भी किया गया।

मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने जनपद को 381 करोड़ की 15 विकास योजनाओं की सौगात दी

गोगा म्हाड़ी स्थल किया हवन-पूजन

भारत संवाद

सहारनपुर ।सूबे के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने आज अपने सहारनपुर आगमन पर 381 करोड़ की 15 विकास योजनाओं की सौगात जनपद को देते हुए लाभार्थियों को प्रमाण पत्र वितरित किए। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ आज यहां गांधी पार्क स्थित जनमंच में आयोजित कार्यक्रम को सम्बोधित कर रहे थे।उन्होंने कहा कि प्रदेश का समग्र विकास भारत की गौरवशाली विरासत का संरक्षण और गरीब कल्याण योजनाएं हमारी सरकार की उच्च प्राथमिकताएं हैं। उन्होंने जहां प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के ऊजार्वान और वैश्विक नेतृत्व की भरपूर सराहना की और अपनी सरकार की एक-एक योजनाओं को लोगों के बीच रखा।वहीं उन्होंने पूर्व की सरकारों को जातिवादी, परिवारवादी और समाज एवं देश विरोधी करार दिया। उन्होंने मालेगांव ब्लास्ट के फैसले में रिहा किये गये सभी आरोपियों का उल्लेख करते हुए कहा कि कांग्रेस सरकार राष्ट्रभक्तों के प्रति क्रूर थी और कांग्रेस और विपक्षी दल राष्ट्रवादी कार्यों के प्रति तल्ख और राष्ट्र विरोधी गतिविधियों और उसमें शामिल तत्वों के प्रति नरम रहते हैं। वे भारत की प्राचीन और संस्कृति में भरोसा नहीं करते और वे यह भी मानते हैं कि राम और कृष्ण इस धरती पर हुए हैं।उन्हें इन सबका उल्लेख करने का भी अधिकार नहीं है।

मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ को सहारनपुर की विश्व प्रसिद्ध उत्कृष्ट काष्ठ कला की दो मूर्तियां भगवान शिव की आकर्षक और भाव प्राण मूर्ति मंडलायुक्त अटल कुमार राय ने और भगवान श्री गणेश की मूर्ति जिलाधिकारी मनीष बंसल एवं एसएसपी आशीष तिवारी ने भेंट की। इसके लिए उन्होंने उनका धन्यवाद किया। उन्होंने कहा कि सहारनपुर की काष्ठकला विश्व में भारत का गौरव बढ़ा रही है और पूरे एनसीआर में यहां के फर्नीचर की भी सबसे ज्यादा मांग है। हमारी सरकार यहां के कुशल कारीगरों व व्यवसायियों का भरपूर सम्मान ओर सहयोग करने को संकल्पबद्ध है। उन्होंने जिलाधिकारी मनीष बंसल की प्रशंसा करते हुए कहा कि उनके नेतृत्व में सहारनपुर का तेजी से और व्यापक विकास हुआ है।मुख्यमंत्री ने कहा कि उन्होंने आज सर्किट हाऊस में मण्डल की विकास योजनाओं पर तेजी लाने और गरीब कल्याण योजनाओं पर ध्यान देने एवं शुक्र तीर्थ स्थल एवं मां शाकुंभरी देवी क्षेत्र की निमार्णाधीन योजनाओं को जल्द पूरा करने के निर्देश दिए। उन्होंने अधिकारियों से कहा कि विकास का माडल पिछडने न पाए। उन्होंने कहा कि पहले विकास के लिए लखनऊ जाना होता था

फास्ट ट्रैक

पुलिस को मिली सफलता खैर में नकली नोट छापने वाले लुटेरों का गिरोह किया गिरफ्तार, दो नावालिक भी शामिल

भारत संवाद / संजय भारद्वाज

अलीगढ़/खैर। खैर पुलिस ने बड़ी कार्रवाई करते हुए लूट की घटनाओं को अंजाम देने वाले छह शातिर लुटेरों को गिरफ्तार किया है। गिरोह में दो नाबालिग भी शामिल हैं। पुलिस ने इनके पास से 1,45,200 के नकली नोट, लूटी गई बाइक व स्कूटी, चार तमंचे, आठ जिंदा कारतूस, और घटना में प्रयुक्त कार बरामद की है।पुलिस ने दो लूट की घटनाओं का खुलासा करते हुए सभी आरोपियों के खिलाफ विधिक कार्रवाई कर उन्हें न्यायालय में पेश करने की तैयारी कर ली है।सीओ खैर वरुण कुमार सिंह ने जानकारी देते हुए बताया कि आरोपियों को नाइल बांकनेर रोड, नगर पालिका की दीवार के पास से गिरफ्तार किया गया है। पूछताछ में उनकी नाम अमित पुत्र राम खिलाड़ी निवासी मार बीन वाली गली, मोहल्ला नगला कलार शिवम उर्फ शिवा पुत्र महाराज सिंह निवासी खेरेश्वर मंदिर के पास, थाना रोरावरलकी उर्फ रोमियो पुत्र नवरत्न सिंह निवासी सूत मिल चौराहा,विशाल पुत्र सतीश निवासी वाल्मीकि बस्ती, नगला कलारदो नाबालिग आरोपी भी गिरफ़्तार किए गए हैं।सीओ नेबताया कि पूछताछ में अमित व अन्य लुटेरों ने प्रिंटर के जरिए नकली नोट छापने और उनका प्रयोग कर अपने खर्चे चलाने की बात स्वीकार की है। साथ ही उन्होंने 25 जुलाई की रात सोमना रोड पर एक व्यक्ति से बाइक व फोन लूटने, तथा शहर के कठपुला पर एक अन्य व्यक्ति से फोन और स्कूटी लूटने की घटना को भी कुबूल किया है। दोनों ही घटनाओं में लूटे गए वाहन बरामद कर लिए गए हैं। गिरफ्तार आरोपियों पर पहले से भी थानो पर मुकदमे दर्ज हैं अमित पर 1 मुकदमाशिवम पर 2 मुकदमे लकी उर्फ रोमियो पर 3 मुकदमे दर्ज है

संविधान बचाने को पीडीए की पंचायत आयोजित

सहारनपुर। बेहट विधानसभा क्षेत्र के कस्बा बेहट के रॉयल पैलेस में राष्ट्रीय अध्यक्ष पूर्व मुख्यमंत्री अखिलेश यादव के निर्देशन में संविधान का मान एवं आरक्षण बचाने के संबंध में जनपंचायत कार्यक्रम का आयोजन किया गया।जिसका संचालन समाजवादी पार्टी के जिला उपाध्यक्ष ठाकुर किरणपाल राणा के द्वारा किया गया। जिसकी अध्यक्षता समाजवादी पार्टी के जिला अध्यक्ष चैधरी अब्दुल वाहिद साहब जी के द्वारा की गई। इस प्रोग्राम को ओर अधिक शानदार बनाने एवं मजबूती देने के लिए पूर्व मंत्री वर्तमानकिरणपाल कश्यप के साथ मुख्य अतिथि के रूप में पहुंचे बेहट विधायक उमर अली खान। इस कार्यक्रम का मुख्य उद्देश्य पिछड़ा,दलित,अल्पसंख्यक समाज के गरीब मजदूर, वंचित एवं शोषित वर्ग के लोगों को बाबा साहब डॉ भीम राव अंबेडकर के द्वार दिए गए संविधान के तहत आरक्षण को बचाने और इन वर्गों को बराबरी का दर्जा देने से है। जो केंद्र व राज्य की सरकार पिछले कई सालों से नहीं कर पाई है। क्योंकि वर्तमान सरकार सिर्फ और सिर्फ पूंजीपतियों की सरकार बन कर रह गई है।

बीएसएनएल की प्रीपेड मोबाइल सिम केवल एक रुपये में

सहारनपुर।स्वतंत्रता दिवस के अवसर पर भारत संचार निगम लिमिटेड ने देश के नागरिकों को उपहार देने के उद्देश्य से एक नया फ्रीडम प्लान लॉन्च किया है, जिसका आज मिशन कंपाउंड दूरभाष केंद्र स्थित उपमहाप्रबंधक प्रचालन कार्यालय में उद्घाटन किया गया है। इस योजना के तहत ग्राहक केवल एक रुपये में बीएसएनएल का सिम खरीद सकते हैं, जिसका लाभ 1 अगस्त से 31 अगस्त तक उठाया जा सकता है। इस फ्रीडम प्लान के अंतर्गत सिम में प्रतिदिन 2जीबी इंटरनेट डेटा, अनलिमिटेड वॉयस कॉल और प्रतिदिन 100 एसएमएस बिल्कुल मुफ्त हैं।

अलीगढ़ जिले के किसी भी गांव मे नही लगने देने बिजली के स्मार्ट मीटर - भाकियू भानु

भारतीय किसान यूनियन (भानु) ने की जिरोली डोर मे की पंचायत मुख्य अभियंता के नाम सौपा ज्ञापन

प्रवीन कुमार शर्मा संवाददाता /भारत संवाद

अलीगढ। लोधा क्षेत्र के गांव जिरोली डोर में भारतीय किसान यूनियन (भानु) के युवा जिलाध्यक्ष अलीगढ़ कृष्णा ठाकुर के नेतृत्व पंचायत का आयोजन किया गया पंचायत का संचालन ठा. देवराज सिंह एवं अध्यक्षता कृष्णकांत सिंह ने की युवा जिलाध्यक्ष अलीगढ़ कृष्णा ठाकुर ने बताया कि स्मार्ट मीटर शहरों में लगायें जाये गांवों मे नही जब गांवों मे स्मार्ट शिक्षा नहीं, स्मार्ट सड़क नही, स्मार्ट चिकित्सा नहीं, तो स्मार्ट मीटर क्यों लगाये जा रहे पुराने मीटरों को बदलना बिजली विभाग के द्वारा ग्रामीण किसानों से धोखा है , जिला अध्यक्ष युवा व्यापार प्रकोष्ठ रोहित सिंह ने कहा कि स्मार्ट मीटर किसानों के साथ दबाब बना कर लगाया जाता है तो भारतीय किसान यूनियन (भानु) मुख्य अभियंता बिजली विभाग अलीगढ़ पंकज अग्रवाल के अनिश्चितकालीन धरना प्रदर्शन करेगा , तहसील अध्यक्ष कोल देवेंद्र कुमार सूर्यवंशी ने बताया कि सारसौल फीडर से किसानों को रोस्टर के अनुसार बिजली की आपूर्ति सुनिश्चित की जाये क्योंकि इस समय किसानों की धान, बाजरा , आदि की फसलों को सिंचाई की अत्यंत आवश्यकता है , पंचायत मे पहुंचे अवर अभियंता (जेई) संतोष कुमार शर्मा को मुख्य अभियंता अलीगढ़ के नाम किसानों की बिजली से संबंधित को लेकर ज्ञापन सौंपा । इस दौरान, प्रदेश मीडिया प्रभारी सुमित ठाकुर, मंडल उपाध्यक्ष हर्ष कुमार उर्फ कालू ठाकुर, ब्लांक अध्यक्ष लोधा राजकुमार सिंह, जिला प्रभारी वीरपाल सिंह, हिमांशु पंडित, प्रमोद गौड़, नखलेशर शर्मा, राजेश कुमार सिंह, विजय सिंह, मनीष ठाकुर, प्रदीप प्रधान, शकरपाल सिंह, पप्पू सिंह , छोटू अरून, प्रवीन शर्मा, आशीष, भुवनेश्वर सिंह, देवेन्द्र सिंह, नरेश , यादराम सिंह, भूरा सिंह, जय सिंह मल, अशोक, चेतन, मलखान सिंह, रुपेन्द्र कुमार, शेर मोहम्मद, रिंकू, हरीश, सोनू, सतीश काका, आदि ।

श्रावण मास का अंतिम सोमवार... और इगलास नगर बना भक्ति, समर्पण और आस्था का साक्षी

किन्नर समाज ने बनखंडी महादेव मंदिर पर 21 किलो का घंटा चढ़ाकर एक ऐतिहासिक आयोजन किया,शोभायात्रा के दौरान नगर में भक्ति का सागर उमड़ पड़ा

भारत संवाद / योगेश शर्मा

श्रावण मास के पावन अंतिम सोमवार पर इगलास के बनखंडी महादेव मंदिर में अद्वितीय नजारा देखने को मिला किन्नर समाज के द्वारा नगर भ्रमण करते हुए भगवान शिव को समर्पित 21 किलो वजनी घंटा मंदिर में चढ़ाया गया।

ढोल-नगाड़ों, बैंड-बाजों और हर-हर महादेव' के जयकारों के साथ नगर भ्रमण शुरू हुआ, जो इगलास के ओम सैलीवेशन गेस्ट हॉउस से शुरू होकर मुख्य चौराहा से बाजार मे होता हुआ होता हुआ पथवारी मंदिर, से गोंडा रोड होकर वनखँडी मंदिरशिवपुरी प्रांगण तक पहुँचा जिसके बाद किन्नर समाज के द्वारा भगवान भोले नाथ के मंदिर पर घंटा चढ़ाया गया तथा आरती की गई

नगरवासियों ने जगह-जगह पुष्प वर्षा कर, माला पहनाकर और जयघोष कर किन्नर समाज का भव्य स्वागत किया।

भक्ति भाव से सराबोर इस आयोजन को चांदनी किन्नर ने अपने गुरुजी आशा की स्मृति में आयोजित किया।

इस आयोजन में लगभग 150 किन्नर विभिन्न जनपदों से शामिल हुए।

कार्यक्रम के दौरान अलीगढ़ से आईं सिमरन चौधरी किन्नर ने नगरवासियों के प्रेम और सम्मान पर आभार जताते हुए कहा किन्नर सिमरन जितना प्यार और सम्मान हमें इगलास में मिला, वो कहीं नहीं मिला। हम भगवान भोलेनाथ से प्रार्थना करते हैं कि इगलास नगर सदैव खुशहाल और सुख-समृद्धि से भरपूर रहे।श्रद्धा, सम्मान और समर्पण का यह आयोजन इगलास नगर के लिए यादगार बन गया।

जहाँ एक ओर सामाजिक समरसता देखने को मिली, वहीं दूसरी ओर धर्म और आस्था की अनूठी छवि भी उभर कर सामने आई सच में, जब श्रद्धा और समाज एक साथ चलते हैं तो ऐसा ही दृश्य सामने आता है

ऑपरेशन प्रहार के तहत इगलास पुलिस को बड़ी सफलता, महिला अपराध का वांछित आरोपी गिरफ्तार

भारत संवाद / संजय भारद्वाज

जनपद अलीगढ़ में वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक के निर्देशन में ,पुलिस अधीक्षक ग्रामीण एवं क्षेत्राधिकारी इगलास के पर्यवेक्षण तथा प्रभारी निरीक्षक इगलास देवेंद्र यादव के नेतृत्व में चलाए जा रहे ऑपरेशन प्रहारर के तहत महिला अपराधों की रोकथाम व वांछित अपराधियों की धरपकड़ हेतु चलाए जा रहे अभियान में इगलास पुलिस को बड़ी सफलता मिली है।थाना इगलास पर पंजीकृत मु.अ.सं. 505/25 धारा 137(2)/87/115(2)/123 बीएनएस व 3/4 पॉक्सो एक्ट से संबंधित वांछित अभियुक्त सोनू पुत्र रनवीर, निवासी उकरना बहरामपुर थाना हरदुआगंज, अलीगढ़ (उम्र लगभग 32 वर्ष) को पुलिस टीम ने 3 अगस्त 2025 को रात 9:59 बजे मुखबिर की सूचना पर मथुरा हीरो एजेंसी के पास स्थित एक खाली मैदान से गिरफ्तार किया।

गिरफ्तारी के समय अभियुक्त के पास से एक नाजायज चाकू भी बरामद किया गया, जिस पर थाना इगलास पर मु.अ.सं. 507/25 धारा 4/25 Arms Act के तहत एक अन्य मुकदमा भी दर्ज किया गया है।जिसको रात्रि में,प्रभारी निरीक्षकः देवेंद्र यादव,निरीक्षकः सुभाष सिंह कठेरिया

व.उ.नि.: ऋषिपाल कसाना

उ.नि.: सुशील कुमार, अर्जुन सिंह

का0: 2288 गौरव, का0 14 चन्द्रेश

अभियुक्त को आवश्यक विधिक कार्यवाही हेतु माननीय न्यायालय प्रस्तुत किया गया

पति की हत्या में वांछित कलयुगी पत्नी गिरफ्तार, शव को भट्ठे में फेंकने का आरोप

भारत संवाद / संजय भारद्वाज

जनपद अलीगढ़ के थाना छर्रा क्षेत्र से एक सनसनीखेज मामला सामने आया है, जिसमें अवैध संबंधों के चलते एक पत्नी ने अपने प्रेमी के साथ मिलकर पति की हत्या कर दी और शव को भट्ठे में फेंक दिया। इस जघन्य वारदात में फरार चल रही वांछित पत्नी तबस्सुम को पुलिस ने अब गिरफ्तार कर लिया है।घटना थाना छर्रा क्षेत्र के ग्राम धनसारी की है, जहां की निवासी तबस्सुम पत्नी युसूफ ने अपने प्रेमी दानिश पुत्र नईम के साथ मिलकर पति युसूफ पुत्र भूरे खान की हत्या कर दी थी। हत्या के बादआरोपियों ने साक्ष्य छिपाने के उद्देश्य से शव को एक ईंट-भट्ठे पर फेंक दिया था।इस दिल दहला देने वाली घटना की जांच क्षेत्राधिकारी छर्रा धनंजय सिंह के पर्यवेक्षण में की जा रही थी। छर्रा थाना पुलिस ने तत्परता दिखाते हुए अलीगढ़ बस अड्डा, कस्बा छर्रा से वांछित अभियुक्ता तबस्सुम को गिरफ्तार कर लिया है।पुलिस अब उसके प्रेमी व सह-अभियुक्त दानिश की गिरफ्तारी के प्रयास तेज कर रही है।

कारोबारी से मदद के नाम पर लिए 12 लाख रुपए वापिस मांगने पर झूठे मुकदमे में फंसाने तथा जान से मारने की मिली धमकी

भारत संवाद / अमित अग्रवाल

अलीगढ़ - मामला थाना बन्ना देवी अलीगढ़ का है जहाँ कारोबारी अमित अग्रवाल का कहना है कि मेरे एक जान पहचान बाले व्यक्ति संजय गुप्ता द्वारा अपने साढू राकेश गुप्ता, से मिलवाया गया था जिन्होंने मुझे अपने व्यापार में घाटा होने की बात कही और मुझसे रुपयों की मदद मांगी जिसे जल्द से जल्द वापस करने की बात भी कही मैं एक समाज सेवी व्यक्ति हूँ तो राकेश गुप्ता की मजबूरी को देखते हुए मैंने उनकी 12 लाख रुपए की मदद कर दी, जिसका कुछ भुगतान मैंने ऑनलइन के माध्यम से किया था काफी समय बीत जाने के बाद जब मैंने राकेश गुप्ता व उनकी पत्नी अंजू गुप्ता से अपने 12 लाख रुपए वापस मागने की बात कही तो टाल मटोल करने लगे अधिक समय बीत जाने के बाद जब मैंने थोड़ा दबाव बनाते हुए कहा तो मेरे मुझे गाली गलौज व जान से मारने की धमकी देने लगे, जिसको देखते हुए मैंने उन पर कानूनी कार्यवाही करने की बात कही तो राकेश गुप्ता व उनका पुत्र हिमांशु गुप्ता ने मुझे धमकी दी की तू हमें जानता नहीं है एक साल जेल काट कर आया हूँ जेल के सारे बदमाशों के साथ मेरा उठना बैठना है अगर तूने कोई कानूनी कार्यवाही की या अपने रुपए मांगे तो तुझे जान से मरवा दूंगा या अपने घर की किसी भी महिला से तेरे ऊपर बलात्कार जैसे संगीन मुकदमे दर्ज करा कर तेरी और तेरे परिवार का जीवन नरक बना दूंगा। वहीं राकेश गुप्ता और रिंकी गुप्ता ने धमकी दी की हमारा पेशा ही तेरे जैसे उद्योगपतियों से रुपए लेकर उनको झूठे मुकद्दमे में फसाने का है आपको बतादे की अमित अग्रवाल को राकेश गुप्ता, हिमांशु गुप्ता रिंकी गुप्ता व अंजू गुप्ता इन सभी के द्वारा 12 लाख रुपए वापस करने के नाम पर जान से मारने की धमकी व बलात्कार जैसे संगीन जुर्मो में फसाने की धमकी दी है

व्यापार मण्डल का 44वां राष्ट्रीय सम्मेलन सम्पन्न

भारत संवाद

व्यापारी वर्ग देश के विकास की रीढ़ः शीतल टण्डन

सहारनपुर । देश में वर्ष 1981 से व्यापारी एकता एवं व्यापारी हितों के लिए व संस्थापक पं.श्याम बिहारी मिश्रा के बताये मार्ग पर चलते हुए शीर्ष संगठन भारतीय उद्योग व्यापार मण्डल का गत दिवस नई दिल्ली के आकाशवाणी आडीटोरियम में 44वां राष्ट्रीय सम्मेलन व राष्ट्रीय व्यापारी दिवस का भव्य कार्यक्रम आयोजित किया गया।यह जानकारी देते हुए आज नई दिल्ली से अपने साथियों सहित लौटे भारतीय उद्योग व्यापार मण्डल के राष्ट्रीय उपाध्यक्ष व जिलाध्यक्ष शीतल टण्डन ने कहा कि इस सम्मेलन में देशभर के 28 प्रांतों से आये लगभग दो हजार व्यापारी प्रतिनिधियों ने भाग लिया। सम्मेलन का उद्घाटन राष्ट्रीय उपाध्यक्ष बाबूलाल गुप्ता व संचालन वरिष्ठ राष्ट्रीय महामंत्री मुकुन्द मिश्रा ने किया तथा कार्यक्रम में केन्द्रीय अर्जुनराम मेघवाल व हर्ष मल्होत्रा तथा राष्ट्रीय व्यापारी कल्याण बोर्ड के अध्यक्ष सुशील सिंघी, सांसद रमेश अवस्थी, विजय बघेल व साधना सिंह समेत देश भर के सभी राज्यों के वरिष्ठ व्यापारी प्रतिनिधियों ने भाग लिया। सम्मेलन में प्रमुख रूप से ऑन लाइन कारोबार के कारण छोटे व्यापारियों को हो रहे नुकसान को बचाने के लिए रेगूलेटिंग एक्ट लाने की मांग की गयी। साथ ही विभिन्न जीएसटी दर स्लैब को कम करने तथा इसके सरलीकरण की मांग के साथ-साथ देश के अलग-अलग राज्यों में मंडी कर दरों में एकरूपता लाने की मांग की गयी। साथ ही सभी खाद्य उत्पादों को उनके वजन से पैकजिंग को भिन्न किये बिना शून्य किये जाने की मांग की गयी तथा अनाज, दालें, और तिलहन की सफाई, ग्रेडिंग व छंटाई की मशीनें, एलइडी लैम्प, हार्डवेयर, स्टैनलेश स्टील, साइकिल, आटा चक्की, इसके पत्थर व पुर्जे, खाद्य तेज, बेकरी उत्पाद, सोलर, घी, अचार, हस्तशिल्प और 1000 रुपए प्रतिदिन तक सभी पर 5 प्रतिशत कर रखे जाने की मांग की गयी। सम्मेलन में व्यापारी प्रतिनिधियों ने मांग की कि केन्द्र व राज्य सरकारों द्वारा रेवडियों पर भी रोक लगनी चाहिए क्योंकि यह कर दाताओं पर अनावश्यक बोझ डालती है। सम्मेलन में आये केन्द्रीय मंत्रियों, सांसदों व राष्ट्रीय व्यापारी कल्याण बोर्ड के अध्यक्ष ने आश्वासन दिया कि वे व्यापारियों की सभी मांगों को केंद्रीय वित्त मंत्री, जीएसटी काउन्सिल व सम्बन्धित विभागों के मंत्रियों के समक्ष रखेंगे। क्योंकि व्यापारी वर्ग देश के विकास की रीढ़ है और विभिन्न करों के रूप में 70 प्रतिशत से भी अधिक कर व्यापारी वर्ग संग्रह करके केन्द्र व राज्य सरकारों को देता है। सभी अतिथियों को भामाशाह पुरस्कार व स्मृति चिन्ह देकर सम्मानित किया गया।

शिव का श्रंगार ही संपूर्ण सृष्टि हैः कालेन्द्रानंद

भारत संवाद

सहारनपुर राधा विहार स्थित ओघड़ दानी नर्मदेश्वर महादेव का 51000 रुद्राक्ष श्रृंगार अवसर पर स्वामी कालेंद्रानंद महाराज ने कहा शिव का श्रंगार ही संपूर्ण सृष्टि है।

श्री रामकृष्ण विवेकानंद संस्थान के तत्वाधान में आयोजित श्रावण मास पूजा अंतर्गत श्रावण मास अंतिम सोमवार को महादेव का 51000 रुद्राक्ष से भव्य श्रृंगार किया गया।नेपाल से रुद्राक्ष ले गए और महादेव को अर्पण किए गए इससे पूर्व पंचामृत से महादेव का स्नान किया गया रुद्री पाठ शिव सहस्त्रनाम से महादेव का रुद्राभिषेक किया गया । महा भोग अर्पण कर महादेव की भव्य आरती उतारी गई। रुद्राक्ष श्रृंगार महिमा का वर्णन करते हुए स्वामी कालेंद्रानंद जी महाराज ने कहा कि महादेव को रुद्राक्ष श्रृंगार करने से जीवन के समस्त विकारों में भगवान की कृपा से कमी आती है और सभी विकार धीरे-धीरे समाप्त हो जाते हैं महाराज श्री ने कहा 51000 रुद्राक्ष महादेव को अर्पण करने से भगवान की अनन्य भक्ति प्राप्त होती है, उन्होंने कहा सबसे पहले यह पूजा भगवान श्री हरि विष्णु के द्वारा की गई जब भगवान ने तांडव करते हुए अपने नेत्रों से अपने रुद्राक्ष धरा पर गिराए, उन सभी को श्री हरि विष्णु ने एकत्रित कर शिवजी को अर्पण किया महादेव प्रसन्न होकर शिव को अभैदय कवच प्रदान करते हैं। इसलिए प्रत्येक जीव को शिव की शरणागति होकर समर्पित भाव से पूजा करनी चाहिए और जितना भी हो सके भगवान भोलेनाथ को रुद्राक्ष अर्पण कर फिर उसे धारण करना चाहिए

भारत संवाद परिवार 1-संरक्षक-भारत संवाद डॉ राम किशोर शर्मा पूर्व विभागाध्यक्ष इलाहाबाद विश्व विद्यालय कबीर सम्मान 2021 से सम्मानित, 2-संरक्षक-भारत संवाद, आचार्य पं0 पृथ्वीनाथ पाण्डेय भाषाविज्ञानी एंव मीडियाध्ययन विशेषज्ञ, 3-संरक्षक-भारत संवाद गजानन महतपुरकर, (सुपरिचित कवि, लेखक, गीतकार, मंच संचालक, स्वतंत्र पत्रकार एवं सदस्य, महाराष्ट्र राज्य हिंदी साहित्य अकादमी तथा पश्चिम रेलवे, चर्चगेट के वरिष्ठ जनसम्पर्क अधिकारी पद से सेवानिवृत्त), 4-कला एवं मनोरंजन संपादक (भारत संवाद), जगन्नाथ तिवारी, 5-उपसंपादक (भारत संवाद), माता प्रसाद शर्मा, 6-प्रभारी प्रयागराज संस्करण आशीष कुमार शर्मा

स्वामी, प्रकाशक, मुद्रक अरविन्द कुमार शर्मा द्वारा रमा प्रिंर्टिंग प्रेस 53/25/1-ए बेली रोड नया कटरा इलाहाबाद से मुद्रित एंव ज्ञान गंगा कालोनी सराय तकी झूंसी प्रयागराज से प्रकाशित।
संपादक- अरविन्द कुमार शर्मा ।फोन नं०.05324012522 मो०-9455137214,9935750291,E mail-bharatsamvad2009@gmail.com RNI No-UPHIN/2009/30939
(किसी भी विवाद का न्याय क्षेत्र इलाहाबाद उच्च न्यायालय होगा)।

भगवान शिव के 19 अवतार

शिव महापुराण में भगवान शिव के अनेक अवतारों का वर्णन मिलता है, लेकिन बहुत ही कम लोग इन अवतारों के बारे में जानते हैं। धर्म ग्रंथों के अनुसार भगवान शिव के 19 अवतार हुए थे। आइए जानें शिव के 19 अवतारों के बारे में–

1– वीरभद्र अवतार–

भगवान शिव का यह अवतार तब हुआ था, जब दक्ष द्वारा आयोजित यज्ञ में माता सती ने अपनी देह का त्याग किया था। जब भगवान शिव को यह ज्ञात हुआ तो उन्होंने क्रोध में अपने सिर से एक जटा उखाड़ी और उसे रोषपूर्वक पर्वत के ऊपर पटक दिया। उस जटा के पूर्वभाग से महाभंयकर वीरभद्र प्रगट हुए। शिव के इस अवतार ने दक्ष के यज्ञ का विध्वंस कर दिया और दक्ष का सिर काटकर उसे मृत्युदंड दिया।

2– पिप्पलाद अवतार –

मानव जीवन में भगवान शिव के पिप्पलाद अवतार का बड़ा महत्व है। शनि पीड़ा का निवारण पिप्पलाद की कृपा से ही संभव हो सका। कथा है कि पिप्पलाद ने देवताओं से पूछा– क्या कारण है कि मेरे पिता दधीचि जन्म से पूर्व ही मुझे छोड़कर चले गए? देवताओं ने बताया शनिग्रह की दृष्टि के कारण ही ऐसा कुयोग बना। पिप्पलाद यह सुनकर बड़े क्रोधित हुए। उन्होंने शनि को नक्षत्र मंडल से गिरने का श्राप दे दिया। श्राप के प्रभाव से शनि उसी समय आकाश से गिरने लगे।

3– नंदी अवतार–

भगवान शंकर सभी जीवों का प्रतिनिधित्व करते हैं। भगवान शंकर का नंदीश्वर अवतार भी इसी बात का अनुसरण करते हुए सभी जीवों से प्रेम का संदेश देता है। नंदी (बैल) कर्म का प्रतीक है, जिसका अर्थ है कर्म ही जीवन का मूल मंत्र है। इस अवतार की कथा इस प्रकार है– शिलाद मुनि ब्रह्मचारी थे। वंश समाप्त होता देख उनके पितरों ने शिलाद से संतान उत्पन्न करने को कहा। शिलाद ने अयोनिज और मृत्युहीन संतान की कामना से भगवान शिव की तपस्या की।

4. भैरव अवतार–

शिव महापुराण में भैरव को परमात्मा शंकर का पूर्ण रूप बताया गया है। एक बार भगवान शंकर की माया से प्रभावित होकर ब्रह्मा व विष्णु स्वयं को श्रेष्ठ मानने लगे। तब वहां तेज–पुंज के मध्य एक पुरुषाकृति दिखलाई पड़ी। उन्हें देखकर ब्रह्माजी ने कहा– चंद्रशेखर तुम मेरे पुत्र हो। अत– मेरी शरण में आओ। ब्रह्मा की ऐसी बात सुनकर भगवान शंकर को क्रोध आ गया।

5– अश्वत्थामा–

महाभारत के अनुसार पांडवों के गुरु द्रोणाचार्य के पुत्र अश्वत्थामा काल, क्रोध, यम व भगवान शंकर के अंशावतार थे। आचार्य द्रोण ने भगवान शंकर को पुत्र रूप में पाने की लिए घोर तपस्या की थी और भगवान शिव ने उन्हें वरदान दिया था कि वे उनके पुत्र के रूप में अवतीर्ण होंगे। समय आने पर सवन्तिक रुद्र ने अपने अंश से द्रोण के बलशाली पुत्र अश्वत्थामा के रूप में अवतार लिया।

6– शरभावतार –

भगवान शंकर का छटा अवतार है शरभावतार। शरभावतार में भगवान शंकर का स्वरूप आधा मृग (हिरण) तथा शेष शरभ पक्षी (पुराणों में वर्णित आठ पैरों वाला जंतु जो शेर से भी शक्तिशाली था) का था। इस अवतार में भगवान शंकर ने नृसिंह भगवान की क्रोधाग्नि को शांत किया था।

7– गृहपति अवतार –

भगवान शंकर का सातवां अवतार है गृहपति। इसकी कथा इस प्रकार है– नर्मदा के तट पर धर्मपुर नाम का एक नगर था। वहां विश्वानर नाम के एक मुनि तथा उनकी पत्नी शुचिष्मती रहती थीं। शुचिष्मती ने बहुत काल तक निःसंतान रहने पर एक दिन अपने पति से शिव के समान पुत्र प्राप्ति की इच्छा की। पत्नी की अभिलाषा पूरी करने के लिए मुनि विश्वनार काशी आ गए। यहां उन्होंने घोर तप द्वारा भगवान शिव के वीरेश लिंग की आराधना की।

8– ऋषि दुर्वासा –

भगवान शंकर के विभिन्न अवतारों में ऋषि दुर्वासा का अवतार भी प्रमुख है। धर्म ग्रंथों के अनुसार सती अनुसूइया के पति महर्षि अत्रि ने ब्रह्मा के निर्देशानुसार पत्नी सहित ऋक्षकुल पर्वत पर पुत्रकामना से घोर तप किया। उनके तप से प्रसन्न होकर ब्रह्मा, विष्णु और महेश तीनों उनके आश्रम पर आए। उन्होंने कहा– हमारे अंश से तुम्हारे तीन पुत्र होंगे, जो त्रिलोकी में विख्यात तथा माता–पिता का यश बढ़ाने वाले होंगे।

9– हनुमान –

भगवान शिव का हनुमान अवतार सभी अवतारों में श्रेष्ठ माना गया है। इस अवतार में भगवान शंकर ने एक वानर का रूप धरा था। शिवमहापुराण के अनुसार देवताओं और दानवों को अमृत बांटते हुए विष्णुजी के मोहिनी रूप को देखकर लीलावश शिवजी ने कामातुर होकर अपना वीर्यपात कर दिया।

सप्तऋषियों ने उस वीर्य को कुछ पत्तों में संग्रहित कर लिया। समय आने पर सप्तऋषियों ने भगवान शिव के वीर्य को वानरराज केसरी की पत्नी अंजनी के कान के माध्यम से गर्भ में स्थापित कर दिया, जिससे अत्यंत तेजस्वी एवं प्रबल पराक्रमी श्री हनुमानजी उत्पन्न हुए।

10– वृषभ अवतार –

भगवान शंकर ने विशेष परिस्थितियों में वृषभ अवतार लिया था। इस अवतार में भगवान शंकर ने विष्णु पुत्रों का संहार किया था। धर्म ग्रंथों के अनुसार जब भगवान विष्णु दैत्यों को मारने पाताल लोक गए तो उन्हें वहां बहुत सी चंद्रमुखी स्त्रियां दिखाई पड़ी।

11– यतिनाथ अवतार –

भगवान शंकर ने यतिनाथ अवतार लेकर अतिथि के महत्व का प्रतिपादन किया था। उन्होंने इस अवतार में अतिथि बनकर भील दम्पति की परीक्षा ली थी, जिसके कारण भील दम्पति को अपने प्राण गवाने पड़े। धर्म ग्रंथों के अनुसार अर्बुदाचल पर्वत के समीप शिवभक्त आहुक–आहुका भील दम्पति रहते थे। एक बार भगवान शंकर यतिनाथ के वेष में उनके घर आए। उन्होंने भील दम्पति के घर रात व्यतीत करने की इच्छा प्रकट की। आहुका ने अपने पति को गृहस्थ की मर्यादा का स्मरण कराते हुए स्वयं धनुषबाण लेकर बाहर रात बिताने और यति को घर में विश्राम करने देने का प्रस्ताव रखा।

12– कृष्णदर्शन अवतार–

भगवान शिव ने इस अवतार में यज्ञ आदि धार्मिक कार्यों के महत्व को बताया है। इस प्रकार यह अवतार पूर्णतः धर्म का प्रतीक है। धर्म ग्रंथों के अनुसार इक्ष्वाकुवंशीय श्राद्धदेव की नवमी पीढ़ी में राजा नभग का जन्म हुआ। विद्या–अध्ययन को गुरुकुल गए नभग जब बहुत दिनों तक न लौटे तो उनके भाइयों ने राज्य का विभाजन आपस में कर लिया। नभग को जब यह बात ज्ञात हुई तो वह अपने पिता के पास गए। पिता ने नभग से कहा कि वह यज्ञ परायण ब्राह्मणों के मोह को दूर करते हुए उनके यज्ञ को सम्पन्न करके, उनके धन को प्राप्त करे।

13– अवधूत अवतार –

भगवान शंकर ने अवधूत अवतार लेकर इंद्र के अंहकार को चूर किया था। धर्म ग्रंथों के अनुसार एक समय बृहस्पति और अन्य देवताओं को साथ लेकर इंद्र शंकर जी के दर्शनों के लिए कैलाश पर्वत पर गए। इंद्र की परीक्षा लेने के लिए शंकरजी ने अवधूत रूप धारण कर उनका मार्ग रोक लिया। इंद्र ने उस पुरुष से अवज्ञापूर्वक बार–बार उसका परिचय पूछा तो भी वह मौन रहा।

14– भिक्षुवर्य अवतार –

भगवान शंकर देवों के देव हैं। संसार में जन्म लेने वाले हर प्राणी के जीवन के रक्षक भी हैं। भगवान शंकर काभिक्षुवर्य अवतार यही संदेश देता है। धर्म ग्रंथों के अनुसार विदर्भ नरेश सत्यरथ को शत्रुओं ने मार डाला। उसकी गर्भवती पत्नी ने शत्रुओं से छिपकर अपने प्राण बचाए। समय आने पर उसने एक पुत्र को जन्म दिया। रानी जब जल पीने के लिए सरोवर गई तो उसे घड़ियाल ने अपना आहार बना लिया। तब वह बालक भूख–प्यास से तड़पने लगा। इतने में ही शिवजी की प्रेरणा से एक भिखारिन वहां पहुंची।

15– सुरेश्वर अवतार –

भगवान शंकर का सुरेश्वर (इंद्र) अवतार भक्त के प्रति उनकी प्रेमभावना को प्रदर्शित करता है। इस अवतार में भगवान शंकर ने एक छोटे से बालक उपमन्यु की भक्ति से प्रसन्न होकर उसे अपनी परम भक्ति और अमर पद का वरदान दिया। धर्म ग्रंथों के अनुसार व्याघ्रपाद का पुत्र उपमन्यु अपने मामा के घर पलता था। वह सदा दूध की इच्छा से व्याकुल रहता था। उसकी मां ने उसे अपनी अभिलाषा पूर्ण करने के लिए शिवजी की शरण में जाने को कहा। इस पर उपमन्यु वन में जाकर ऊँ नमः शिवाय का जप करने लगा।

16– किरात अवतार –

किरात अवतार में भगवान शंकर ने पाण्डुपुत्र अर्जुन की वीरता की परीक्षा ली थी। महाभारत के अनुसार कौरवों ने छल–कपट से पाण्डवों का राज्य हड़प लिया व पाण्डवों को वनवास पर जाना पड़ा। वनवास के दौरान जब अर्जुन भगवान शंकर को प्रसन्न करने के लिए तपस्या कर रहे थे, तभी दुर्योधन द्वारा भेजा हुआ मूड़ नामक दैत्य अर्जुन को मारने के लिए शूकर (सुअर) का रूप धारण कर वहां पहुंचा।

17– सुनटनर्तक अवतार –

पार्वती के पिता हिमाचल से उनकी पुत्री का हाथ मागंने के लिए शिवजी ने सुनटनर्तक वेष धारण किया था। हाथ में डमरू लेकर शिवजी नट के रूप में हिमाचल के घर पहुंचे और नृत्य करने लगे। नटराज शिवजी ने इतना सुंदर और मनोहर नृत्य किया कि सभी प्रसन्न हो गए। जब हिमाचल ने नटराज को भिक्षा मांगने को कहा तो नटराज शिव ने भिक्षा में पार्वती को मांग लिया। इस पर हिमाचलराज अति क्रोधित हुए। कुछ देर बाद नटराज वेषधारी शिवजी पार्वती को अपना रूप दिखाकर स्वयं चले गए। उनके जाने पर मैना और हिमाचल को दिव्य ज्ञान हुआ और उन्होंने पार्वती को शिवजी को देने का निश्चय किया।

18– ब्रह्मचारी अवतार –

दक्ष के यज्ञ में प्राण त्यागने के बाद जब सती ने हिमालय के घर जन्म लिया तो शिवजी को पति रूप में पाने के लिए घोर तप किया। पार्वती की परीक्षा लेने के लिए शिवजी ब्रह्मचारी का वेष धारण कर उनके पास पहुंचे। पार्वती ने ब्रह्मचारी को देख उनकी विधिवत पूजा की। जब ब्रह्मचारी ने पार्वती से उसके तप का उद्देश्य पूछा और जानने पर शिव की निंदा करने लगे तथा उन्हें श्मशानवासी व कापालिक भी कहा। यह सुन पार्वती को बहुत क्रोध हुआ। पार्वती की भक्ति व प्रेम को देखकर शिव ने उन्हें अपना वास्तविक स्वरूप दिखाया। यह देख पार्वती अति प्रसन्न हुईं।

19– यक्ष अवतार –

यक्ष अवतार शिवजी ने देवताओं के अनुचित और मिथ्या अभिमान को दूर करने के लिए धारण किया था। धर्म ग्रंथों के अनुसार देवता व असुर द्वारा किए गए समुद्रमंथन के दौरान जब भयंकर विष निकला तो भगवान शंकर ने उस विष को ग्रहण कर अपने कण्ठ में रोक लिया। इसके बाद अमृत कलश निकला। अमृतपान करने से सभी देवता अमर तो हो गए साथ ही उनहें अभिमान भी हो गया कि वे सबसे बलशाली हैं। देवताओं के इसी अभिमान को तोडने के लिए शिवजी ने यक्ष का रूप धारण किया व देवताओं के आगे एक तिनका रखकर उसे काटने को कहा। अपनी पूरी शक्ति लगाने पर भी देवता उस तिनके को काट नहीं पाए। तभी आकाशवाणी हुई कि यह यक्ष सब गर्वों के विनाशक शंकर भगवान हैं। सभी देवताओं ने भगवान शंकर की स्तुति की तथा अपने अपराध के लिए क्षमा मांगी।

किस ग्रह से होता है कौन सा रोग

ज्योतिष के अनुसार व्यक्ति के शरीर का संचालन भी ग्रहों के अनुसार होता है। सूर्य आंखों, चंद्रमा मन, मंगल रक्त संचार, बुध हृदय, बृहस्पति बुद्धि, शुक्र प्रत्येक रस तथा शनि, राहू और केतु उदर का स्वामी है।

शनि अगर बलवान है तो नौकरी और व्यापार में विशेष लाभ होता है। गृहस्थ जीवन सुचारु चलता है। लेकिन अगर शनि का प्रकोप है तो व्यक्ति को बात–बात पर क्रोध आता है। निर्णय शक्ति काम नहीं करती, गृहस्थी में कलह और व्यापार में तबाही होती है।

आजकल वैदिक अनुसंधान में जप द्वारा ग्रहों के कुप्रभाव से बचाव व ग्रहों की स्थिति अनुकूल करके, व्यक्ति को लाभ पहुंचाने के लिए अनुसंधान कार्य चल रहे हैं। कई वैदिक वैज्ञानिक कर्म में विश्वास रखते हैं लेकिन पर्याप्त कर्म के बाद अपेक्षित फल न मिल पाना, वह ग्रहों का कुप्रभाव मानते हैं। वे घरेलू क्लेश, संपत्ति विवाद, व्यवसाय व नौकरी में अड़चनें ही नहीं, ब्लडप्रेशर, कफ, खांसी और चेहरे की झाइयां जप द्वारा ही दूर करने का दावा करते हैं।

सूर्य– सूर्य धरती का जीवनदाता, लेकिन एक क्रूर ग्रह है, वह मानव स्वभाव में तेजी लाता है। यह ग्रह कमजोर होने पर सिर में दर्द, आंखों का रोग तथा टाइफाइड आदि रोग होते हैं। किन्तु अगर सूर्य उच्च राशि में है तो सत्तासुख, पदार्थ और वैभव दिलाता है। अगर सूर्य के गलत प्रभाव सामने आ रहे हों तो सूर्य के दिन यानी रविवार को उपवास तथा माणिक्य लालड़ी तामड़ा अथवा महसूरी रत्न को धारण किया जा सकता है।

सूर्य को अनुकूल करने के लिए मंत्र– हाम् हौम् सः सूर्याय नमः का एक लाख 47 हजार बार विधिवत जाप करना चाहिए। यह पाठ थोड़ा–थोड़ा करके कई दिन में पूरा किया जा सकता है।

चंद्रमा – चंद्रमा एक शुभ ग्रह है लेकिन उसका फल अशुभ भी होता है। यदि चंद्रमा उच्च है तो व्यक्ति को अपार यश और ऐश्वर्य मिलता है, लेकिन अगर नीच का है तो व्यक्ति खांसी, नजला, जुकाम जैसे रोगों से घिरा रहता है। चंद्रमा के प्रभाव को अनुकूल करने के लिए सोमवारका व्रत तथा सफेद खाद्य वस्तुओं का सेवन करना चाहिए। पुखराज और मोती पहना जा सकता है। मंत्र श्राम श्रीम श्रौम सः चंद्राय नमः का 2 लाख 31 हजार बार जप करना चाहिए।

मंगल – यह महापराक्रमी ग्रह है। कर्क, वृश्चिक, मीन तीनों राशियों पर उसका अधिकार है। यह लड़ाई–झगड़ा, दंगाफसाद का प्रेरक है। इससे पित्त, वायु, रक्तचाप, कर्णरोग, खुजली, उदर, रज, बवासीर आदि रोग होते हैं। अगर कुंडली में मंगल नीच का है तो तबाही कर देता है।

बड़ी–बड़ी दुर्घटनाएं, भूकंप, सूखा भी मंगल के कुप्रभावों के प्रतीक माने जाते हैं, लेकिन अगर मंगल उच्च का है तो वह व्यक्ति कामक्रीड़ा में चंचल, तमोगुणी तथा व्यक्तित्व का धनी होता है। वे अथाह संपत्ति भी खरीदते हैं। मंगल का प्रभाव अनुकूल करने के लिए मूंगा धारण किया जा सकता है। तांबे के बर्तन में खाद्य वस्तु दान करने और मंत्र क्रम क्रीम क्रौम सः भौमाय नमः का जाप 2 लाख 10 हजार बार करने से लाभ हो सकता है।

वास्तु

पूजा घर ऐसा कि देवता भी ठहर जाए

वास्तु विज्ञान के अनुसार देवी–देवताओं की कृपा घर पर बनी रहे, इसके लिए पूजाघर वास्तुदोष से मुक्त होना चाहिए। जहां पूजाघर वास्तुदोष के नियमों के विपरीत होता है, वहां ध्यान और पूजा करते समय मन एकाग्र नहीं रह पाता है। इससे पूजा–पाठ का पूर्ण लाभ नहीं मिलता है।

वास्तु विज्ञान के अनुसार पूजाघर पूर्व अथवा उत्तर दिशा में होना चाहिए। इन दिशाओं में पूजाघर होने पर घर में सकारात्मक ऊर्जा बनी रहती है। पूजाघर के ऊपर अथवा इसके अगल–बगल में शौचालय या स्नानघर नहीं होना चाहिए। आजकल बहुत से लोग सीढ़ी के नीचे या तहखाने में पूजाघर बनवा लेते हैं, जो वास्तु के अनुसार उचित नहीं है।

अगर एक ही घर में कई लोग रहते हैं तो अलग–अलग पूजाघर बनवाने की बजाए मिल–जुलकर एक पूजाघर बनवाएं। एक ही मकान में कई पूजाघर होने पर घर के सदस्यों को मानसिक, शारीरिक एवं आर्थिक समस्याओं का सामना करना पड़ता है। भगवान को एक–दूसरे से कम से कम 1 इंच की दूरी पर रखें। अगर घर में एक ही भगवान की दो तस्वीरें हों तो दोनों को आमने–सामने बिलकुल न रखें। एक ही भगवान के आमने–सामने होने पर घर में आपसी तनाव बढ़ता है।

अगर जगह की कमी के कारण शयन कक्ष में ही पूजाघर बनाना पड़े तो ध्यान रखें कि बिछावन इस प्रकार हो ताकि सोते समय भगवान की ओर पैर नहीं हो।

बांग्लादेश सरकार शेख हसीना के घर को म्यूजियम बनाएगी

15 साल इस घर में रहीं पूर्व पीएम, पिछले साल यहां तोड़फोड़-लूटमार हुई थी

एजेंसी

ढाका, बांग्लादेश सरकार ने पूर्व प्रधानमंत्री शेख हसीना के पुराने आधिकारिक घर 'गणभवन' को म्यूजियम में बदलने का फैसला किया है। इसे 'जुलाई क्रांति स्मारक संग्रहालय' कहा जाएगा। शेख हसीना के पिता और बांग्लादेश के पहले राष्ट्रपति शेख मुजीबुर्रहमान ने इस घर को फिर से बनवाया था। इससे पहले इस जगह को एस्टेट राजबाड़ी के नाम से जाना जाता था। गणभवन ढाका के शेर-ए-बांग्ला नगर में है, जो संसद भवन के पास है। बांग्लादेश सरकार इसे देश के नेता के आधिकारिक घर के रूप में इस्तेमाल करती थी। शेख हसीना 2010 में यहां रहने आई थीं और 5 अगस्त 2024 तक यानी 15 साल यही उनका घर रहा। पिछले साल उनके तख्तापलट के कुछ देर बाद ही यहां तोड़फोड़ और लूटमार शुरू हो गई थी। भीड़ ने यहां से साड़ियां, सजावटी सामान, घड़ियां, सोफे, लग्जरी

हैंडबैग, टेलीविजन, मछलियां और यहां तक कि महिलाओं के कपड़े तक लूट लिए थे। सोशल मीडिया पर लूट की तस्वीरें वायरल हो गईं थीं। बाद में अधिकारियों ने दावा किया कि लूटा गया सामान वापस कर दिया गया। बांग्लादेश की अंतरिम सरकार के मुखिया मोहम्मद यूनुस की लीडरशिप वाली अंतरिम सरकार ने गणभवन को शेख हसीना के कुशासन की निशानी बताते हुए इसे म्यूजियम बनाने की घोषणा की। यह म्यूजियम पिछले साल की हिंसा में मारे गए प्रदर्शनकारियों की याद में बनाया जा रहा है। बांग्लादेश के संस्कृति मंत्रालय ने इस म्यूजियम के मैनेजमेंट के लिए 200 पदों का प्रस्ताव दिया है। बांग्लादेश में बीते एक साल से लगातार शेख हसीना और उनके पिता से जुड़ी कई निशानियों पर हमला किया जा रहा है। बीते 12 महीने में शेख मुजीब की मूर्ति को तोड़ा गया और कई सार्वजनिक स्थानों पर लगी नेमप्लेट को भी हटा दिया गया। इसके अलावा स्कूल की किताबों में उनसे जुड़े कई चैप्टर को बदला गया और नोट पर लगी तस्वीरों को भी हटा दिया गया। अंतरिम सरकार ने आजादी और संस्थापक से जुड़े दिनों की 8 सरकारी छुट्टियां भी कैंसिल कर दी थी। शेख मुजीबुर्रहमान बांग्लादेश के पहले राष्ट्रपति थे। वह 17 अप्रैल 1971 से लेकर 15 अगस्त 1975 तक देश के प्रधानमंत्री भी रहे थे।

पूर्व प्रधानमंत्री शेख हसीना के पिता मुजीबुर्रहमान ने बांग्लादेश को पाकिस्तान से आजादी दिलाने में भी बड़ी भूमिका निभाई थी। 15 अगस्त 1975 को शेख मुजीबुर्रहमान की उनके घर पर ही हत्या कर दी गई थी। शेख हसीना पिछले साल 5 अगस्त को देश छोड़कर भारत आ गई थीं। दरअसल, उनके खिलाफ देशभर में छात्र प्रदर्शन कर रहे थे। बांग्लादेश में 5 जून को हाईकोर्ट ने जॉब में 30% कोटा सिस्टम लागू किया था, इस आरक्षण के खिलाफ ढाका में यूनिवर्सिटीज के स्टूडेंट्स प्रोटेस्ट कर रहे थे। यह आरक्षण स्वतंत्रता सेनानियों के परिवारों को दिया जा रहा था। हालांकि हसीना सरकार ने यह आरक्षण बाद में खत्म कर दिया था। इसके बाद छात्र उनके इस्तीफे की मांग को लेकर विरोध प्रदर्शन करने लगे।

रूस के ऑयल डिपो पर यूक्रेन का ड्रोन अटैक

आग लगी; विस्फोट का वीडियो बनाने वाली दो रशियन लड़कियों को हिरासत में लिया

एजेंसी

मॉस्को, यूक्रेन ने रविवार को रूस के सोची स्थित एक ऑयल डिपो पर ड्रोन से हमला किया। हमले के बाद डिपो में भीषण आग लग गई। क्रास्नोडार क्षेत्र के गवर्नर वेनियामिन कोंद्रात्येव ने बताया कि ड्रोन के मलबे के तेल टैंक से टकराने के बाद आग लगी, जिसे बुझाने के लिए 120 से ज्यादा दमकलकर्मी लगाए गए। सोशल मीडिया पर वायरल वीडियो में डिपो से उठते काले धुएं के गुबार देखे जा सकते हैं। हमले के बाद रूस की नागरिक उड्डयन एजेंसी रोसावियात्सिया ने कुछ समय के लिए सोची एयरपोर्ट पर उड़ानें रोक दीं। इस दौरान 2 रशियन लड़कियां

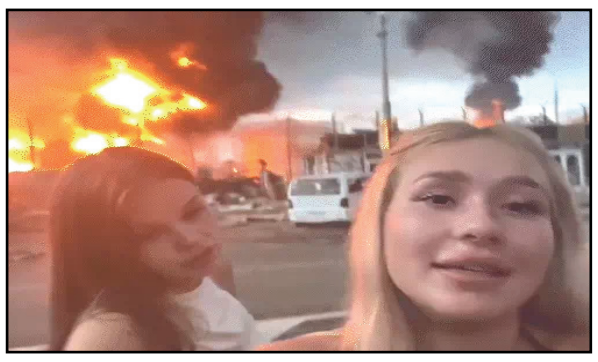

विस्फोट के साथ वीडियो बनाते हुए भी नजर आईं। दोनों के साथ बैकग्राउंड में एक युवक भी मौजूद था। रूस के रक्षा मंत्रालय के मुताबिक, रशियन सेना ने शनिवार रात से रविवार सुबह तक रूस और ब्लैक सी के ऊपर यूक्रेन के 93 ड्रोन मार गिराए। हालांकि रूस के वोरोनेज क्षेत्र में एक और यूक्रेनी ड्रोन हमले में चार लोग घायल हो गए। दूसरी तरफ रूस भी लगातार यूक्रेन पर मिसाइल और ड्रोन हमले कर रहा है। यूक्रेनी वायुसेना के मुताबिक शनिवार रात 2 अगस्त को रूस ने 76 ड्रोन और 7 मिसाइलें दागीं। इनमें से 60 ड्रोन और 1 मिसाइल को मार गिराया गया। बाकी 16 ड्रोन और 6 मिसाइलें आठ अलग-अलग जगहों पर गिरीं। इससे पहले 31 जुलाई को रूसी ड्रोन और मिसाइल हमले में यूक्रेन के 31 लोग मारे गए थे। इनमें 5 बच्चे शामिल थे, जबकि 150 से ज्यादा घायल हुए थे। अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रम्प ने रूसी राष्ट्रपति पुतिन को शांति वार्ता को आगे बढ़ाने के लिए 8 अगस्त तक का अल्टीमेटम दिया है।

ट्रम्प ने चेतावनी दी कि अगर कोई हल नहीं निकला तो रूस पर नए आर्थिक प्रतिबंध लगाए जाएंगे। यूक्रेनी राष्ट्रपति वोलोदिमीर जेलेंस्की ने रविवार को कहा कि जुलाई में इस्तांबुल में हुई वार्ता के बाद रूस और यूक्रेन ने 1200 युद्ध बंदियों की अदला-बदली पर सहमति बनी है। रूस के साउदर्न फेडरल यूनिवर्सिटी (एसएफयू) के छात्रों ने दुनिया का पहला ऐसा ट्रेनिंग सिमुलेटर तैयार किया है जिसमें एंटी-ड्रोन राइफल और ड्रोन डिटेक्शन सिस्टम के साथ अभ्यास किया जा सकता है। यह एक वर्चुअल ट्रेनिंग प्लेटफॉर्म है जो असली ड्रोन युद्ध जैसी परिस्थितियों में काम करना सिखाता है। इसकी मदद से एंटी-ड्रोन राइफल का सही इस्तेमाल, ड्रोन डिटेक्टर से काम करना और तनाव भरी स्थिति में जल्द फैसले लेना सिखाया जाएगा।

भारत-पाकिस्तान संघर्ष रुकवाने का ट्रंप ने फिर लिया श्रेय

कहा- मैंने 5 युद्धों को कराया समाप्त

> ट्रम्प के नवीनतम दावे व्हाइट हाउस की प्रेस सचिव कैरोलिन लेविट के उस बयान के तुरंत बाद आए हैं जिसमें उन्होंने कहा था कि राष्ट्रपति भारत-पाकिस्तान युद्ध विराम सहित दुनिया भर में शांति समझौते कराने के लिए नोबेल शांति पुरस्कार के हकदार हैं।

एजेंसी

अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने एक बार फिर दुनिया भर में संघर्षों को सुलझाने का श्रेय लिया, जिसमें भारत और पाकिस्तान के बीच हालिया तनाव भी शामिल है। 10 मई से, ट्रंप बार-बार दावा कर रहे हैं कि उन्होंने कथित तौर पर वाशिंगटन की मध्यस्थता से हुई बातचीत के बाद दोनों परमाणु संपन्न पड़ोसियों के बीच पूर्ण और तत्काल युद्धविराम कराने में मदद की। हालांकि, भारत ने युद्धविराम में किसी भी तीसरे पक्ष की मध्यस्थता को बार-बार खारिज किया है और कहा है कि किसी भी विदेशी नेता ने भारत से अपने सैन्य अभियान रोकने के लिए नहीं कहा। ट्रम्प के नवीनतम दावे व्हाइट हाउस की प्रेस सचिव कैरोलिन लेविट के उस बयान के तुरंत बाद आए हैं जिसमें उन्होंने कहा था कि राष्ट्रपति भारत-पाकिस्तान युद्ध विराम सहित दुनिया भर में शांति समझौते कराने के लिए नोबेल शांति पुरस्कार के हकदार हैं। ट्रंप ने अपने ट्रुथ सोशल प्लेटफॉर्म पर रेडियो होस्ट और लेखिका शारलेमेन द गॉड की आलोचना करते हुए एक पोस्ट लिखा। उन्होंने कहा कि शारलेमेन ट्रंप की उपलब्धियों के बारे में कुछ नहीं जानतीं, जिसमें पाँच युद्धों का अंत भी शामिल है, जैसे कि कांगो गणराज्य और रवांडा के बीच 31 साल पुराना संघर्ष, जिसमें 70 लाख लोग मारे गए थे। ट्रंप ने आगे कहा, उन्हें यह सब नहीं पता था, न ही भारत और पाकिस्तान के बारे में, न ही ईरान की परमाणु क्षमताओं को खत्म करने के बारे में, न ही भयावह खुली सीमा को बंद करने के बारे में, न ही सबसे बड़ी अर्थव्यवस्था बनाने के बारे में। एक दिन पहले ही ट्रंप ने न्यूजमैक्स पर एक साक्षात्कार में कहा था कि उन्होंने बहुत सारे युद्धों को खत्म कराया है। ट्रंप ने कहा, अगर आप हाल में हुई घटनाओं पर नजर डालें, तो पाएंगे कि हमने कई मामलों को सुलझाया है॥ कई बेहद गंभीर युद्ध खत्म कराए हैं॥ इनमें से एक युद्ध भारत और पाकिस्तान के बीच था, जिसमें परमाणु टकराव की आशंका थी। राष्ट्रपति ने कहा कि उन्होंने थाईलैंड और कंबोडिया के साथ-साथ कांगो और रवांडा के बीच संघर्ष को भी सुलझाया है। ट्रंप ने कहा, मैंने उस मामले को सुलझाया। और मैंने इसे व्यापार के जरिए सुलझाया। मैंने कई ऐसे मामलों को व्यापार की मदद से सुलझाया। मैंने कहा, सुनो, आप लोग लड़ सकते हो, जितना चाहे लड़ो, लेकिन हम कोई व्यापार समझौता नहीं करेंगे।

उन्होंने कहा, अचानक वे लोग युद्ध रोक देते हैं। मैंने कई युद्ध सुलझाए हैं। मुझे लगता है कि मैंने औसतन हर महीने लगभग एक युद्ध को समाप्त कराया है। और इस तरह हम लाखों जानें बचा रहे हैं।

बाढ़ और बारिश से पाकिस्तान में हाहाकार

अब तक 299 लोगों की मौत, 140 बच्चे भी शामिल

एजेंसी

जून के अंत से पाकिस्तान के कई हिस्सों में आई अचानक बाढ़ और मूसलाधार बारिश के कारण हाहाकार मचा हुआ है। डॉन की रिपोर्ट के अनुसार राष्ट्रीय आपदा प्रबंधन प्राधिकरण (एनडीएमए) ने बताया कि बाढ़ और बारिश के कारण 140 बच्चों सहित कम से कम 299 लोगों की मौत हो गई है और 700 से ज्यादा लोग घायल हुए हैं। एनडीएमए ने कहा कि 26 जून से शुरू हुई इस बाढ़ ने ₹पूरे देश में तबाही मचा दी है।₹ मरने

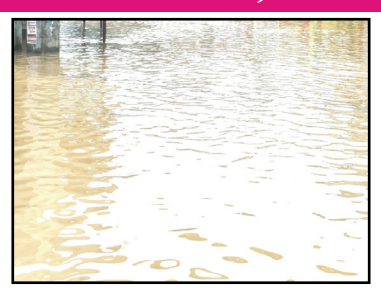

वालों में 102 पुरुष, 57 महिलाएं और 140 बच्चे शामिल हैं, जबकि घायलों में 239 बच्चे, 204 महिलाएं और 272 पुरुष शामिल हैं। डॉन के अनुसार, इस भीषण मौसम ने 1,676 घरों को भी नुकसान पहुँचाया है—जिनमें से 562 पूरी तरह से नष्ट हो गए और 1,114 आंशिक रूप से क्षतिग्रस्त हुए हैं। बाढ़ के कारण 428 पशुधन भी मारे गए, जिससे प्रभावित समुदायों की मुश्किलें और बढ़ गईं। एनडीएमए ने पुष्टि की है कि उसने 223 बचाव अभियान चलाए हैं और बाढ़ प्रभावित इलाकों से 2,880 लोगों को सफलतापूर्वक निकाला है। डॉन की रिपोर्ट के अनुसार, राहत कार्यों में 13,400 से ज्यादा जरूरी वस्तुओं का वितरण शामिल है,

> डॉन के अनुसार, इस भीषण मौसम ने 1,676 घरों को भी नुकसान पहुँचाया है—जिनमें से 562 पूरी तरह से नष्ट हो गए और 1,114 आंशिक रूप से क्षतिग्रस्त हुए हैं। बाढ़ के कारण 428 पशुधन भी मारे गए, जिससे प्रभावित समुदायों की मुश्किलें और बढ़ गईं।

जिनमें 2,000 टेंट, 958 कंबल, 569 रजाईयाँ, 613 गद्दे और 1,100 से ज्यादा खाने के पैकेट शामिल हैं। इसके अलावा, अधिकारियों ने 1,282 किचन सेट, 350 लाइफ जैकेट, 1,122 हाइजीन किट, 2,170 तिरपाल और 146 डी-वाटरिंग पंप उपलब्ध कराए हैं।

चिराग पासवान ने राजद की मुस्लिम-यादव गठबंधन को लेकर तेजस्वी यादव पर कसा तंज

एजेंसी

केंद्रीय खाद्य प्रसंस्करण उद्योग मंत्री चिराग पासवान ने सोमवार को राष्ट्रीय जनता दल (राजद) की मुस्लिम-यादव गठबंधन को लेकर तेजस्वी यादव पर तंज कसा। एएनआई को दिए एक साक्षात्कार में, लोक जनशक्ति पार्टी (रामविलास) प्रमुख पासवान ने कहा कि राजद के विपरीत, उनकी पार्टी की 'माई' व्यवस्था बिहार की ₹महिलाएं-युवा₹ (महिलाएं और युवा) के लिए है। पासवान ने कहा कि जबकि तेजस्वी यादव अपनी पार्टी की उसी पुरानी 'माई' (मुस्लिम-यादव) व्यवस्था को आगे बढ़ा रहे हैं। उनकी विचारधारा अलग है, जो सांप्रदायिकता और जातिवाद को बढ़ावा देती है। मेरी 'माई' व्यवस्था का मतलब 'महिलाएं-युवा' है। चिराग ने आगे कहा कि उनका विजन 'बिहार फर्स्ट, बिहारी फर्स्ट' है और दावा किया कि उनके पास राज्य की सभी समस्याओं का समाधान है। पासवान ने कहा कि मेरा विचार 'बिहार फर्स्ट, बिहारी फर्स्ट' के नारे के साथ बिहार का विकास करना है। मैंने इस पर व्यापक रूप से काम किया है। मेरे पास बिहार की सभी समस्याओं का समाधान है। साक्षात्कार के दौरान, उन्होंने बिहार में एक 'बड़ी भूमिका' निभाने और विधानसभा चुनाव लड़ने की इच्छा व्यक्त की। बिहार में 'बड़ी भूमिका' के बारे में पूछे जाने पर, चिराग पासवान ने कहा कि अब वह ₹खुद को बिहार में देखते हैं। केंद्रीय मंत्री ने कहा कि मैं अब खुद को बिहार में ज्यादा देखता हूँ। जब आप 'भूमिका' का ज़िक्र करते हैं, तो इस पर कई सवालिया निशान लग जाते हैं। मेरी भूमिका गठबंधन के एक मजबूत समर्थक की होगी और बिहार को एक विकसित राज्य बनाने की होगी। चुनाव लड़ने की इच्छा जताते हुए उन्होंने कहा कि 'बिहार फर्स्ट, बिहारी फर्स्ट' का विजन केंद्र सरकार का हिस्सा बनकर पूरा नहीं हो सकता। उन्होंने कहा कि मैं बिहार विधानसभा चुनाव लड़ना चाहता हूँ। दिल्ली में पला-बढ़ा और मुंबई में काम करने के कारण, मैंने खुद देखा है कि कैसे बिहारी दूसरे राज्यों में कठिन परिस्थितियों में रहने को मजबूर हैं। मैंने बिहार के लोगों की स्थिति सुधारने के लिए बिहार लौटने का फैसला किया। केंद्र में 'बिहार फर्स्ट, बिहारी फर्स्ट' संभव नहीं है, मुझे बिहार लौटना होगा। बिहार में इस साल के अंत में विधानसभा चुनाव होने की उम्मीद है।

> पासवान ने कहा कि जबकि तेजस्वी यादव अपनी पार्टी की उसी पुरानी 'माई' (मुस्लिम-यादव) व्यवस्था को आगे बढ़ा रहे हैं। उनकी विचारधारा अलग है, जो सांप्रदायिकता और जातिवाद को बढ़ावा देती है। मेरी 'माई' व्यवस्था का मतलब 'महिलाएं-युवा' है।

रद्द नहीं होगी एससीसी परीक्षा, प्रभावित छात्रों को दोबारा मिल सकता है मौका

परीक्षा के दौरान, लगभग 5 लाख उम्मीदवारों ने परीक्षा दी

> अध्यक्ष ने कहा कि हम आंकड़ों का विश्लेषण कर रहे हैं। अगर हमें एक भी उम्मीदवार मिलता है जिसके साथ अन्याय हुआ है, तो हम उसके लिए दोबारा परीक्षा आयोजित करेंगे। एससीसीएक वैधानिक निकाय है जो मंत्रालयों, विभागों और अन्य सरकारी संगठनों में विभिन्न पदों के लिए भर्ती परीक्षा आयोजित करता है।

एजेंसी

कर्मचारी चयन आयोग हाल ही में आयोजित चयन पद चरण 13 की परीक्षा रद्द नहीं करेगा, बल्कि उन प्रभावित उम्मीदवारों के लिए दोबारा परीक्षा आयोजित कर सकता है जिन्हें उचित अवसर से वंचित कर दिया गया था। यह बात आयोग के अध्यक्ष एस गोपालकृष्णन ने परीक्षा के दौरान कुप्रबंधन को लेकर हो रहे विरोध प्रदर्शनों के बीच सोमवार को कही। संगठन ने परीक्षा विक्रेता एडुक्विटी करियर टेक्नोलॉजीज को भी पत्र लिखकर 24 जुलाई से 1 अगस्त तक की परीक्षा अवधि के दौरान सामने आई सभी समस्याओं का समाधान करने को कहा है। अध्यक्ष ने कहा कि हम आंकड़ों का विश्लेषण कर रहे हैं। अगर हमें एक भी उम्मीदवार मिलता है जिसके साथ अन्याय हुआ है, तो हम उसके लिए दोबारा परीक्षा आयोजित करेंगे। एससीसी एक वैधानिक निकाय है जो मंत्रालयों, विभागों और अन्य सरकारी संगठनों में विभिन्न पदों के लिए भर्ती परीक्षा आयोजित करता है। 24 जुलाई से 1 अगस्त के बीच 142 शहरों के 194 केंद्रों पर आयोजित चरण 13 की परीक्षा अचानक रद्द होने, सॉफ्टवेयर क्रैश होने, बायोमेट्रिक सत्यापन में विफलता और गलत केंद्र आवंटन जैसी समस्याओं से जूझती रही। परीक्षा के दौरान, लगभग 5 लाख उम्मीदवारों ने परीक्षा दी। इन व्यवधानों के कारण पिछले हफ़्ते दिल्ली भर में विरोध प्रदर्शनों की लहर दौड़ गई, जिससे हजारों उम्मीदवार सड़कों पर उतर आए और सोशल मीडिया पर भी तीखी प्रतिक्रिया हुई। एएनआई से बात करते हुए, अध्यक्ष ने तकनीकी गड़बड़ियों और उम्मीदवारों को दूर-दराज के केंद्र दिए जाने सहित कुप्रबंधन की बात स्वीकार की। उन्होंने आश्वासन दिया कि आने वाले महीनों में सभी समस्याओं का समाधान कर लिया जाएगा। उन्होंने आगे कहा, ₹हम आने वाले महीनों में सुधार करेंगे और योजना बनाएंगे।₹ अभ्यर्थियों की तत्काल चिंता को दूर करने के लिए, 2 अगस्त को तीन पालियों में अतिरिक्त परीक्षाएँ आयोजित की गईं। दो केंद्रों, एक दिल्ली (पवन गंगा) और दूसरा उत्तर प्रदेश (एजुकासा) में, परीक्षाएँ पूरी तरह रद्द कर दी गईं, जिससे लगभग 2,500 छात्र प्रभावित हुए। 2 अगस्त को, लगभग 16,600 अभ्यर्थियों को पुनः परीक्षा देनी थी, लेकिन केवल 8,048 अभ्यर्थी ही उपस्थित हुए, जो 60 प्रतिशत उपस्थिति दशार्ता है। अध्यक्ष ने कहा कि यदि आवश्यक हुआ, तो एसएससी प्रभावित अभ्यर्थियों के लिए एक और पुनः परीक्षा आयोजित करेगा।

लोकसभा में टीएमसी के नए नेता होंगे अभिषेक बनर्जी, सुदीप बंदोपाध्याय की लेंगे जगह

> सूत्रों के अनुसार, कोलकाता उत्तर निर्वाचन क्षेत्र का प्रतिनिधित्व करने वाले बंदोपाध्याय को स्वास्थ्य संबंधी कारणों से पद से मुक्त कर दिया गया है। पार्टी सुप्रीमो ममता बनर्जी की अध्यक्षता में टीएमसी सांसदों की एक वर्चुअल बैठक के दौरान नेतृत्व परिवर्तन को अंतिम रूप दिया गया।

एजेंसी

एक महत्वपूर्ण घटनाक्रम में, तृणमूल कांग्रेस (टीएमसी) ने सोमवार को अपने राष्ट्रीय महासचिव अभिषेक बनर्जी को लोकसभा में पार्टी का नया नेता नियुक्त किया। डायमंड हार्बर से तीन बार सांसद और पश्चिम बंगाल की मुख्यमंत्री ममता बनर्जी के भतीजे बनर्जी वरिष्ठ नेता सुदीप बंदोपाध्याय का स्थान लेंगे। सूत्रों के अनुसार, कोलकाता उत्तर निर्वाचन क्षेत्र का प्रतिनिधित्व करने वाले बंदोपाध्याय को स्वास्थ्य संबंधी कारणों से पद से मुक्त कर दिया गया है। पार्टी सुप्रीमो ममता बनर्जी की अध्यक्षता में टीएमसी सांसदों की एक वर्चुअल बैठक के दौरान नेतृत्व परिवर्तन को अंतिम रूप दिया गया। बैठक में लोकसभा और राज्यसभा दोनों के सदस्यों ने भाग लिया। उन्होंने बताया कि बंदोपाध्याय को उनके खराब स्वास्थ्य के कारण इस जिम्मेदारी से मुक्त कर दिया गया है। यह फैसला पार्टी प्रमुख ममता बनर्जी की अध्यक्षता में टीएमसी सांसदों की एक वर्चुअल बैठक में लिया गया। सूत्रों ने बताया कि बैठक में लोकसभा और राज्यसभा दोनों के पार्टी सांसद मौजूद थे। लोकसभा में 29 सीटों वाली टीएमसी विपक्षी भारतीय जनता पार्टी (आई.एन.आई.ए.) ब्लॉक का एक प्रमुख घटक है। पिछले हफ़्ते, टीएमसी नेता डेरेक ओ'ब्रायन ने संसद में बार-बार होने वाले स्थगन के लिए सरकार को ज़िम्मेदार ठहराया

72 घंटे की भूख हड़ताल पर बैठीं बीआरएस एमएलसी के कविता

ओबीसी आरक्षण विधेयक को मंजूरी देने की मांग

> के कविता ने कहा कि हमने 72 घंटे की भूख हड़ताल शुरू कर दी है और मांग कर रही हैं कि ओबीसी के लिए 42% आरक्षण की गारंटी देने वाला तेलंगाना ओबीसी विधेयक, जो राष्ट्रपति के पास लंबित है, को तुरंत मंजूरी दी जाए।

एजेंसी

भारत राष्ट्र समिति (बीआरएस) की एमएलसी के कविता ने सोमवार को हैदराबाद के धरना चौक पर 72 घंटे की भूख हड़ताल शुरू की। उन्होंने तेलंगाना ओबीसी आरक्षण विधेयक को तत्काल पारित करने की मांग की, जो सरकारी नौकरियों, शैक्षणिक संस्थानों और स्थानीय निकाय चुनावों में पिछड़े वर्गों (बीसी) को 42% आरक्षण देता है। अपनी भूख हड़ताल से पहले एएनआई से बात करते हुए, कविता ने कांग्रेस और भाजपा दोनों पर तेलंगाना के ओबीसी के भाग्य से खेलने का आरोप लगाया।के कविता ने कहा

कि हमने 72 घंटे की भूख हड़ताल शुरू कर दी है और मांग कर रही हैं कि ओबीसी के लिए 42% आरक्षण की गारंटी देने वाला तेलंगाना ओबीसी विधेयक, जो राष्ट्रपति के पास लंबित है, को तुरंत मंजूरी दी जाए। वैकल्पिक रूप से, राज्यपाल के स्तर पर एक अध्यादेश भी लंबित है; हम मांग करते हैं कि इसे तुरंत पारित किया जाए। कांग्रेस और भाजपा दोनों तेलंगाना के ओबीसी के भाग्य से खेल रही हैं। उन्होंने रविवार को अपनी भूख हड़ताल की घोषणा की और 42 प्रतिशत ओबीसी आरक्षण देने के अपने चुनावी वादे को पूरा करने में विफल रहने के लिए कांग्रेस पार्टी की आलोचना की। उन्होंने कहा कि कांग्रेस और भाजपा तेलंगाना के ओबीसी से झूठ बोल रही हैं। कांग्रेस ने चुनावों के दौरान ओबीसी के लिए 42% आरक्षण का वादा किया था। अब भाजपा कह रही है कि वह ओबीसी में मुसलमानों के न होने पर ही आरक्षण देगी। कांग्रेस ने अभी तक यह स्पष्ट नहीं किया है कि राष्ट्रपति के पास मंजूरी के लिए भेजे गए 42% आरक्षण विधेयक में मुसलमान शामिल हैं या नहीं। कविता ने आगे कहा, ₹इन राष्ट्रीय दलों के झूठ को उजागर करने और यह सुनिश्चित करने के लिए कि हमें इन दोनों राष्ट्रीय दलों से किसी तरह की स्पष्टता मिले, मैंने कल सुबह 10 बजे से 72 घंटे की भूख हड़ताल करने का फैसला किया है, जो 7 अगस्त को सुबह 10 बजे समाप्त होगी।₹ उन्होंने यह भी बताया कि सरकार ने उन्हें विरोध प्रदर्शन की अनुमति नहीं दी